fmpb

मित्र समाचार

अंक 14 | प्रकाशन 7 | जुलाई 2024

तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखे, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि ले?
भजन संहिता 8:4

परमेश्वर कुम्हार!

मै क्या हूँ
2 शमूएल 7:18

मैं कौन हूँ कि परमेश्वर मेरी सुधि ले?

प्रथम पंक्ति...

मिट्टी का मन

''ओह, यह दर्दनाक है, यह सब मत लो, मुझ पर मत चलो, मेरा सिर घूम रहा है, सब कुछ धुंधला है। आग नहीं है!'' – यह कुम्हार के पीछे से मिट्टी की चीख हो सकती है। देखने वाले को लग सकता है कि इस मिट्टी को चुनने से सिर्फ दुख ही मिलेगा। हालाँकि, कुम्हार आश्वस्त करता है, ''मैं तुम्हें सावधानी से संभाल रहा हूँ। मैंने तुम्हें चाक पर रखा है जहाँ तुम आकार ले रही हो। तुम सुंदर और कोमल बन रही हो। दबाव के कारण टूटने और आग में जलने से तुम्हें बचाना मेरा कर्तव्य है।'' तैयार मिट्टी के बर्तनों की आवाज उस कमरे से आ रही है जहाँ उन्हें बेचने के लिए प्रदर्शित किया जाता है, जो उसकी देखभाल को दर्शाता है। कुम्हार के हर काम ने मुझे दर्द और पीड़ा दी, लेकिन आज, मैं किसी सुंदर और कोमल वस्तु में बदल गया हूँ। यह सोचकर संतोष होता है कि मैं जल्द ही किसी के काम आऊँगा।

परिवर्तन पर विचार करते हुए, मिट्टी का हृदय कृतज्ञता से भर जाता है। कुम्हार ने इस बेकार मिट्टी को पाया और धैर्यपूर्वक, कदम दर कदम, इसे सुंदर बनाने का काम किया। उस कमरे में ऐसी कई आवाजें सुनी जा सकती हैं। जैसा कि यशायाह 64:8 में लिखा है, ''देख, हम तो मिट्टी हैं, तू हमारा कुम्हार है; हम सब के सब तेरे हाथ के काम हैं'' हाँ! प्रभु हमें ढालता है। प्रभु ने दाऊद को भेड़ों की देखभाल करने से हटाकर एक महत्वपूर्ण राजा बनाया। उसने दाऊद को उस परिवार से चुना जिसने उसकी उपेक्षा की, शाऊल जैसे लोगों से चुनौतियों को स्वीकार किया, और उसमें एक महान योद्धा, अगुवा और राजा का चरित्र विकसित किया जो अपने सभी कार्यों में प्रभु पर निर्भर था। इसीलिए दाऊद अपने कई भजनों में लिखता है, ''प्रभु की स्तुति हो जो मेरी दीनता में मेरा ध्यान रखता है, जिसने मुझे दलदली मिट्टी से छुड़ाया है।'' जब दाऊद इस तथ्य पर विचार करता है कि प्रभु ने पूरी दुनिया बनाई और फिर भी एक ऐसे मनुष्य को स्मरण करता है जो उसके भीतर एक मात्र बिंदु के समान है, तो वह यह पूछे बिना नहीं रह सकता, ''मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि रखता है?''(भजन 8:4–9)। चाहे हम अपने लिए सोचें और योजना बनाएँ या न बनाएँ, परमेश्वर हमारे बारे में सोचता है, हमारे लिए और हमारे माध्यम से अपनी इच्छा की योजना बनाता है और उसे क्रियान्वित करता है।

परमेश्वर की आशीष हमें लालच की ओर नहीं बल्कि आज्ञाकारिता और विनम्रता की ओर ले जाना चाहिए। जब हम प्रभु की इच्छा के अनुसार कार्य करते हैं, तो परमेश्वर प्रसन्न होता है और महिमावान होता है। जब हम कठिन परिस्थितियों से गुजरते हैं, तो मिट्टी की तरह, हमें बहुत दर्द महसूस हो सकता है और यह असहनीय लग सकता है। हालाँकि, परमेश्वर हमें तोड़ने के लिए नहीं बल्कि अपने उद्देश्य के लिए उपयोगी बर्तनों में ढालने के लिए हमें आकार दे रहा है। जिस तरह मिट्टी कुम्हार के हाथ में रूपांतरित होती है, उसी तरह परमेश्वर हमें उसके उपयोग के लिए उपयोगी और सम्माननीय बर्तन बनाने के लिए बना रहा है। परमेश्वर स्वयं हमें तोड़े, हमें कई लोगों के लिए उपयोगी बर्तन बनाए। आमीन!

–**मर्सी सेल्विन** *(संचार विभाग)*

तौभी, हे यहोवा, तू हमारा पिता है। देख, हम तो मिट्टी हैं, और तू हमारा कुम्हार है; हम सब के सब तेरे हाथ के काम हैं।

यशायाह 64:8

आप देखते हैं, कुम्हार मिट्टी को तभी गढ़ सकता है जब वह पूरी तरह से उसके हाथ पड़ी हो। इसके लिए पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है

– कोरी टेन बूम

क्योंकि वह हमारी सृष्टि जानता है; और उसको स्मरण रहता है कि मनुष्य मिट्टी ही है।

भजन 103:14

कुम्हार के कील लगे हाथों पर भरोसा करो। उसे तुम्हें गढ़ने दो। उसकी योजना सबसे सुंदर है।

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साक्षा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ.एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

अपहुँचों तक पहुँचने के मिशन में प्रिय भागीदारों,

जून माह में पेरियामलाई दिवस के बाद, जुलाई का महिना मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण महीना है, क्योंकि इसी महीने में FMPB ने 1971 में उत्तर भारत में अपना कदम रखा था। यह सच है कि उत्तर भारत के बड़े हिस्से में बहुत से लोग अभी भी उस उद्धारकर्ता को जानने के लिए तरस रहे हैं जो उन्हें बचा सकता है और अनंत जीवन प्रदान करेगा। उसी समय परमेश्वर ने हमारे पहले उत्तर भारतीय मिशनरी रेव्ह. वाई. हिलकिय्याह और श्रीमती डेज़ी हिलकिय्याह के विश्वास को आशीर्वाद दिया, जिन्होंने 23 जुलाई 1971 को बस्ती में अपना कदम रखा। परमेश्वर ने अपने प्रतिबद्ध प्रयासों के माध्यम से मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल का इस्तेमाल किया।

उत्तर भारत के पहले मिशनरियों के पदचिन्हों पर चलते हुए मिशनरियों ने हमारे देश के कई हिस्सों में उद्धार और अनंत जीवन का शुभ समाचार बाँटने के लिए कीमत चुकायी। हमें अपनी प्रार्थनाएँ और तेज करनी होंगी कि प्रभु अपने दाख की बारी में पर्याप्त संख्या में मजदूरों को भेजें ताकि सुसमाचार उन लोगों तक पहुँचे जो सुसमाचार से वंचित हैं और यह हमारे जीवन में प्राथमिकता होनी चाहिए। 1कुरिन्थियों 10:23 कहता है कि "सब वस्तुएँ मरे लिए उचित तो हैं, परन्तु सब लाभ की नहीं: सब वस्तुएँ मेरे लिए उचित तो हैं, परन्तु सब वस्तुओं से उन्नति नहीं।" मसीह में विश्वास करने वाले के रूप में, मैं जो कर रहा हूँ उस पर सवाल यह नहीं है कि यह मेरा अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या यह दूसरों के लिए लाभदायक है। इसलिए, आईए हम दूसरों के लाभ और उन्नति के लिए सब कुछ रचनात्मक रूप से कार्य करने का निर्णय लें।

करीब 2 महीने तक चले धमाकेदार अभियान के बाद धूल जम गई है और सरकार बन गई है। परमेश्वर की संतान होने के नाते, यह हमारी ईश्वर प्रदत्त जिम्मेदारी है कि हम सरकार और उसके नेताओं के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करें कि वे दलितों के उत्थान के लिए सरकार चलाएँ और देश को विकास की राह पर ले जाएँ।

तमिलनाडु राज्यस्तरीय वार्षिक सम्मेलन 2024

ईश्वर की असीम कृपा से तमिलनाडु वार्षिक राज्य सम्मेलन 16 से 19 मई 2024 तक बेथेल, सेलम में आयोजित किया गया। इस वर्ष इस शिविर में वयस्कों और बच्चों सहित 3159 लोग शामिल हुए। गुजरात सी.एन.आई. डॉयसीस के बिशप महा मान्यवर सिल्वेंस क्रिश्चियन ने 16 तारीख को सम्मेलन का उद्घाटन किया। 17 तारीख को राष्ट्र के लिए 12 घंटे का उपवास और प्रार्थना की गई। सभा प्रार्थना की आत्मा से भर गई। परमेश्वर ने शक्तिशाली ढंग से वक्ताओं को इस्तेमाल किया और प्रतिभागियों से कहे गए ईश्वर के वचन के माध्यम से, कई लोगों ने परमेश्वरर की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। आयोजन टीम और अन्य सभी समितियों ने प्रतिभागियों को भोजन और आवास प्रदान करने के

लिए एक अद्भुत काम किया। सारी महिमा ईश्वर की है!

उत्तरी अंचलीय मिशनरी सम्मेलन

उत्तरी अंचलीय मिशनरियों का आध्यात्मिक जीवन सम्मेलन 20 मई से कोलकाता स्थित ई.सी.आई. के बाइबल कॉलेज में आयोजित किया गया था। परमेश्वर ने मुझे मिशनरियों के बीच वचन साझा करने में मदद की। मिशनरियों और उनके बच्चों के बीच होना मेरे लिए एक अद्भुत अनुभव था।

वित्त निगरानी समिति

इस बैठक में 2003 की पुरानी पेंशन योजना को संशोधित करने के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। 2024 की नई पेंशन योजना नीति पर गहन चर्चा की गई तथा कार्यकारी समिति को इसे लागू करने की सिफारिश की गई।

मुख्यालय स्टाफ रिट्रीट

मुख्यालय के मिशनरियों और उनके परिवारों के लिए स्टाफ रिट्रीट 30 मई से 1 जून तक येलागिरी के पहाड़ पर आयोजित की गई थी। बाहर से आए वरिष्ठ मिशनरियों और परमेश्वर के सेवकों ने कर्मचारियों से बात की।

कार्यकारिणी समिति की 218वीं सभा

कार्यकारिणी समिति की 218वीं सभा 7 और 8 जून 2024 को अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन में आयोजित की गई। मैं उन सभी कार्यकारिणी समिति सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ जो मिशन क्षेत्र में सभा के लिए इतनी लंबी दूरी तय करके आए। इस सभा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं और निर्णयों को क्रियान्वित करने के लिए परमेश्वर की बुद्धि और सामर्थ्य के लिए आपकी प्रार्थनाओं का अनुरोध करता हूँ।

मजुली मिशन क्षेत्र, असम का दौरा

कार्यकारिणी समिति की सभा के बाद, सदस्यों और उनके परिवारों ने असम के मजुली द्वीप में हमारे मिशन क्षेत्र का दौरा किया और असम के विश्वासियों और मिशनरियों के साथ रविवार की सेवा में भाग लिया। युवा मिशनरीगण अपने परिवारों के साथ कठिनाइयों के बीच उत्साहपूर्वक प्रभु की सेवा करते हैं। असम में सेवा करने वाले मिशनरियों को हम सबों के प्रार्थनाओं की आवश्यकता है।

आई.एम.ए. अगुवों का राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, मिजोरम

इंडिया मिशन एसोसिएशन ने 11 से 13 जून 2024 तक मिजोरम की राजधानी आइजोल में राष्ट्रीय अगुवों का शिखर सम्मेलन 2024 का आयोजन किया, जिसमें मुझे कई मिशन और चर्च के अगुवों से बातचीत करने के कई अवसर प्राप्त हुए। इस बैठक की मेजबानी मिजोरम प्रेस्बिटेरियन चर्च की धर्मसभा ने की थी, जो मिजोरम का सबसे बड़ा संप्रदाय है। मिजोरम के मुख्यमंत्री स्थानीय कलीसिया के प्राचीन हैं और उन्होंने आखिरी दिन पवित्र भोज का सम्पन्न किया। आई.एम.ए. की वार्षिक आम सभा 14 जून को हुई।

जुलाई महीने के कार्यक्रम के लिए मैं आप सभों से प्रार्थना हेतु निवेदन करता हूँ

नये मिशनरियों का अभिमुखीकरण

26 जून को आयोजित होने वाले साक्षात्कार में चयन किए जाने वाले मिशनरियों का अभिमुखीकरण HRD द्वारा 2 जुलाई से शुरू होकर एक सप्ताह तक दिया जाएगा। कृपया वरिष्ठ मिशनरी वक्ताओं और नए मिशनरियों के लिए प्रार्थना करें।

उत्कल क्षेत्र और एस.डब्लू.बी.आर. का दौरा

सचिव फील्ड और मैं 4 जुलाई से ओड़िशा के

उत्कल क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के संथाल क्षेत्र में मिशनरियों से मिलने की योजना बना रहे हैं ।

आउटरीच प्रशिक्षण केंद्र बोर्ड की सभा दुमका, झारखंड

आउटरीच प्रशिक्षण केंद्र बोर्ड की बैठक, जिसमें एन.ई.एल.सी. के मॉडरेटर और एफ.एम.पी.बी. अगुवों के साथ कलीसिय के अगुवे इस सभा में शामिल होंगे, यह सभा 10 जुलाई को झारखंड के दुमका में आयोजित होने वाली है।

पश्चिमी क्षेत्र और एन.आई.एम. के मिशनरियों के लिए सी.सी.सी.

राष्ट्रीय मिशन संस्थान में प्रशिक्षु मिशनरियों और पश्चिमी अंचल के मिशनरियों के लिए दो क्रॉस कल्चरल कम्युनिकेशन प्रशिक्ष कार्यक्रम की योजना बनाई गई है।

एन.आई.एम. में मिशनरी प्रशिक्षुओं का स्नातक समारोह

10 मिशनरी प्रशिक्षुओं ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 29 जुलाई को वे स्नातक प्राप्त करेंगे और वे मिशन क्षेत्रों में जाएँगे। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।

मित्र सुसमाचार प्रार्थना के साथ आपकी शानदार भागीदारी और मिशन का समर्थन करने के लिए हम आप सबका धन्यवाद करते हैं। आप सभी को हमारी प्रार्थनाओं में याद किया जाता है। आपकी प्रार्थनाएँ हमें वंचित भारतीयों तक पहुँचने में मदद करेंगी। परमेश्वर आप सबों के साथ रहे।

परमेश्वर के मिशन में आपका साथी सेवक

रेव्ह. जॉन बर्लिन एस.

अभिनन्दन!

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल परिवार, महा मान्यवर बिशप रोशन थापा को को बधाई देती है। रोशन थापा की नियुक्ति पूर्वी हिमालय डॉयसीस सी.एन.आई. के बिशप के रूप में 21 मई को 2024 में कैथेड्रल चर्च ऑफ रिडेम्पशन दिल्ली में किया गया। उन्होंने गोस्सनर थियोलॉजिकल कॉलेज रांची से बी.टी.एच. की पढ़ाई की और एशिया थियोलॉजिकल कॉलेज, केरल से बी.डी. की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने पिछले 26 वर्षों से धर्मप्रांत में प्रेस्बिटर के रूप में परमेश्वर की सेवा कीं। उनके परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती सुमन कंडुलना और उनके दो बेटे अर्पण और अनुज दार्जिलिंग में रहते हैं। वे एफ.एम.पी.बी. सेवकाई के प्रति सहायक रहे हैं। हम उनके निमित निरन्तर प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करे, उन्हें मजबूत करे, और परमेश्वर की महिमा के लिए सामर्थ्य के साथ से उनका इस्तेमाल करे।

— **रेव्ह. रॉबिन्सन हसदक,**

प्रभागीय सचिव — मिशन मोबिलाइजेशन, उत्तर एवं उत्तर पूर्वी भारत, एफ.एम.पी.बी., नई दिल्ली

मैं कौन हूँ कि परमेश्वर से आशीष पाऊँ

तमिलनाडु वार्षिक राज्यस्तरीय सम्मेलन 2024 के लिए चुना गया विषय है ''मैं कौन हूँ?'' परमेश्वर ने दाऊद को आशीर्वाद देते हुए कहा– ''जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी, और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा, तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूँगा। मेरे नाम का घर वही बनवाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सर्दव स्थिर रखूँगा'', 2शमूएल 7:12,13। दाऊद ने विनम्रतापूर्वक परमेश्वर को उत्तर दिया, ''.. हे प्रभु यहोवा, क्या कहूँ, और मेरा घराना क्या है, कि तूने मुझे यहाँ तक पुहँचा दिया है?'' 2शमूएल 7:18। दाऊद जो अपने जीवन में बहुत सफल था, उसने भी कई उतार–चढ़ावों का सामना किया। जिसने बहुत सी ऊँचाइयों को छुआ, वह पापों की गहराई में भी पहुँचा। हम 2शमूएल 7:1 और 2 में पढ़ते हैं – कि ''जब राजा अपने भवन में रहता था, और यहोवा ने उसको उसके चारों ओर के सब शत्रुओंसे विश्राम दिया था, तब राजा नातान नामक भविष्यद्वक्ता से कहने लगा, देख, मैं तो देवदारू के बने हुए घर रहता हूँ, परन्तु परमेश्वर का सन्दूक तम्बू में रहता है।'' देखें कि दाऊद जब घर में रहता है उसका विचार कहाँ तक पहुँचता है। जब वह अपने घर में आराम कर रहा होता है तब उसे चिंता होती है कि वह एक साधारण मनुष्य होते हुए भी देवदार से सजे घर में रहता है, जबकि परमेश्वर का सन्दूक पर्दो के बीच रहता है। वह उत्सुकता से अपने आप से सवाल करता है कि वह प्रभु के लिए मंदिर कब बनाएगा। जब परमेश्वर हमें हमारी कठिनाइयों से बचाता है और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करता है, तो हम परमेश्वर के बारे में नहीं बल्कि केवल अपने बारे में सोचते हैं।

आज, मसीही समृद्धि प्रचार से आकर्षित हो रहे हैं। समृद्धि प्रचार क्या है, यह है – परमेश्वर, मैं आपकी स्तुति करता हूँ क्योंकि आपने मुझे शांति में रहने दिया और मैं आपकी स्तुति करता हूँ क्योंकि आपने मुझे देवदार के घर से आशीर्वाद दिया, लेकिन परमेश्वर यह मेरे लिए अभी भी पर्याप्त नहीं है। मुझे सोने से मढ़ा हुआ घर चाहिए, क्योंकि मैं राजा का बच्चा हूँ और मैं जो भी माँगता हूँ, आप मुझे देते हैं। और जो मुझे समृद्ध बनाता है, वह आप हैं। ''आज के कलीसियाओं में सेवकाई का बोझ और मिशनरी दर्शन क्यों कम हो गए हैं?सेवकाई के बलिदान क्यों कम हो गए हैं? सेवकाई के लिए प्रतिबद्ध युवाओं की संख्या क्यों घट रही है?'' अगर हम इस तरह के सवाल पूछें, तो हम पाएँगे कि इसके कई अन्य कारण हो सकते हैं। हालाँकि कई अन्य कारण हैं, परन्तु इसका मुख्य कारण गलत शिक्षाएँ हैं। यह चर्च में प्रवेश कर चुकी है और इसे कैंसर की तरह नष्ट कर रही है। परमेश्वर हमें आशीर्वाद देता है, सच है!

उत्पत्ति 12:2–3 में, परमेश्वर ने अब्राहम से कहाः ''मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशीष दूँगाय मैं तेरा नाम महान करूँगा, और तू

आशीष का मूल होगा। जो तुझे आशीर्वाद दें, मैं उन्हें आशीष दूँगा, और जो तुझे शाप दे, मैं उसे शाप दूँगा; और पृथ्वी के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।'' आज, हम भूल गए हैं कि हमें कलीसिया और राष्ट्र के लिए आशीष बनना चाहिए'' और सेवकाई का बोझ कम हो गया है। हम उम्मीद करते हैं कि सारी आशीषें हमारी होंगी। जब हम यह पता लगाते हैं कि यह गलत मानसिकता कहाँ से उत्पन्न होती है, तो हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि इसके दो कारण हो सकते हैं – 1. परमेश्वर की आशीषें सांसारिक वस्तुएँ हैं 2. परमेश्वर का आशीषें केवल मेरे ही लिए है।

क्योंकि लोग मानते हैं कि परमेश्वर की आशीष सिर्फ सांसारिक और भौतिक है, इसलिए वे एक कलीसिया से दूसरे कलीसिया में जाते हैं और एक पादरी से दूसरे पादरी के पास जाते हैं। वे शक्तिशाली मिशनरियों की तलाश भी करते हैं और उनके पीछे भागते हैं। परमेश्वर की आशीष सिर्फ भौतिक और संसारिक नहीं है। बेशक, परमेश्वर हमें सांसारिक आशीषें प्रदान करता है, परन्तु परमेश्वर की आशीषें का उपयोग केवल अपने स्वार्थ के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

परमेश्वर हमें हमारे आध्यात्मिक जीवन में आशीष देता है। वह हमें अपनी आत्मा से पवित्र करता है। वह हमें अपने वचनों से प्रेरित करता और हमारी प्रार्थनाओं के माध्यम से हमें दर्शन देता है। परन्तु हम इन्हें आशीष नहीं मानते क्योंकि हमें इस तरह से नहीं सिखाया गया। परमेश्वर की आशीष यह है कि ''तुम संसार के लिए एक आशीष का मूल बनोगे।'' आज के मसीही जीवन में हम या तो आध्यात्मिक आशीर्वाद के बारे में भूल जाते हैं या भूलने के लिए मजबूर किए जाते हैं। आज के परिदृश्य में हमारे पास बाइबल को सही ढंग से सिखाने के लिए अगवुों की कमी है, इसलिए हमारी प्रार्थनाएँ स्वार्थी हो गई हैं जैसे– ''परमेश्वर मुझे, मेरे परिवार और मेरी पीढ़ी को आशीर्वाद दे। परमेश्वर की आशीष हमें इसलिए दिया जाता है ताकि यह हमारे माध्यम से दूसरे लोगों तक पहुँच सके और हम दूसरों के लिए एक आशीष का कारण बन सकें। परमेश्वर ने दाऊद को आशीष दी, परन्तु उस समय दाऊद ने अपने लिए और भी बड़ा घर बनाने के बारे में नहीं सोचा, इसके बजाय वह चिंतित था कि परमेश्वर का सन्दूक एक तम्बू में था और परमेश्वर की महिमा के लिए एक मंदिर क्यों नहीं बनाया गया। इस समय भी उसके विचार परमेश्वर की ओर था। जब परमेश्वर हमें आशीष देता है, तो हमें उन लोगों के बारे में सोचना चाहिए जो जरूरतमंद हैं।

मसीही जीवन यीशु पर केन्द्रित होना चाहिए, स्वयं के बारे में कम और दूसरों के बारे में अधिक; ऐसा करने से हमें बहुत खुशी मिलती है। जब परमेश्वर ने दाऊद को आशीष दिया था तब भी उसका हृदय परमेश्वर के लिए एक तम्बू बनाने के बारे में बोझिल था,। आज भी परमेश्वर हमारे भीतर परमेश्वर के राज्य के बारे में ऐसे बोझिल हृदयों की खोज करता है। हमारे देश में अभी भी ऐसे लोग हैं जिन्होंने हमारे प्रभु के बारे में एक बार भी नहीं सुना है। यीशु मसीह ने इसे अपनी अंतिम आज्ञा के रूप में कहा था

– ''इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।'' मत्ती 28:19। 18 में वह कहता है – ''स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।'' हमें उस अधिकार को समझने की आवश्यकता है। परमेश्वर ने हमें किसी साधारण मनुष्य की सेवा करने के लिए नहीं बुलाया है। आज कलीसियाओं में आत्माओं के लिए बोझ और सेवकाई की तीव्रता धीरे–धीरे कम होती जा रही है। क्या ऐसे कोई कार्यक्रम हैं जो ईसाई टीवी चौनलों पर परमेश्वर के कार्य को प्रसारित करते हैं जो चौबीसों घंटे कार्यक्रम प्रसारित करते हैं? केवल व्यक्तिगत आशीष पर कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं। मसीही धर्म आज किस ओर जा रहा है?हमें परमेश्वर द्वारा हमारे कलीसियाओं में पुनःजागृति लाने के लिए बुलाया गया है। हम निश्चित रूप से साधारण लोग हैं परन्तु हमें राष्ट्रों को हिलाने, सुसमाचार फैलाने और राजाओं के राजा की सेवा करने के लिए बुलाया गया है।

''जब मैं केंटकी में धर्मशास्त्र का अध्ययन कर रहा

था, तो मैं यह जानने के लिए बहुत उत्सुक था कि मेरी पढ़ाई कब पूरी होगी और मैं कब प्रचार करने और प्रभु की सेवा करने जाऊँगा। मैं प्रभु के लिए आत्माओं को जीतना चाहता था। मेरा पसंदीदा जानवर घोड़ा है। जब भी मैं केंटकी में घोड़ों को देखता, तो मैं खुद को एक काले घोड़े के रूप में कल्पना करता था जो प्रभु के लिए कुछ हासिल करना चाहता था। लेकिन ऐसा लगता था कि मेरे गले में एक रस्सी बंधी हुई है। मैं अपने प्रयास से रस्सी को काटना चाहता था और भागना चाहता था। खजूर रविवार के दिन, आराधना के दौरान बाइबिल का एक अंश पढ़ा गया कि यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, ''गधे के बच्चे को खोला।'' तब परमेश्वर ने मुझसे कहा, ''जब मेरा समय आएगा तो मैं तुम्हें खोल दूँगा। अपने आप को एक राजसी घोड़े के रूप में मत सोचो, मैं बस चाहता हूँ कि तुम एक साधारण गधे बनो जो मुझे ले जा सके।''

जब वह गधा यीशु को ले जा रहा था, तो बहुत से लोगों ने अपने कपड़े रास्ते में बिछाए और दूसरों ने पेड़ों की डालियाँ काट कर रास्ते में बिछा दीं और चिल्लाया "होशाना!! "प्रभु ने मुझसे कहा, "तुम बिलकुल इस गधे के समान हो जो मुझे ले जा रहा है और सड़क पर लोग जो कुछ भी कर रहे हैं वह तुम्हारे लिए नहीं बल्कि मेरे लिए किया जा रहा है।" आज बहुत से प्रचारक गुमराह हैं क्योंकि उन्हें इस बारे में स्पष्ट समझ नहीं है। एक बार जब यीशु उस गधे से उतर जाएँगे तो गधे का कोई मूल्य नहीं रह जाएगा। परमेश्वर ने हमें उन्हें और उनके सुसमाचार को दुनिया में ले जाने का अवसर दिया है। जैसे दाऊद ने खुद को परमेश्वर के सामने यह कहते हुए समर्पित कर दिया, "मैं कौन हूँ, प्रभु"; आइए हम भी खुद को नम्र करें और कहें, "मैं खुद को एक गधे के रूप में समर्पित करता हूँ जो आपको ले जाएगा और पूरे देश में आपका सुसमाचार फैलाएगा।'' वही परमेश्वर जिसने अब्राहम के माध्यम से राष्ट्रों को आशीष दी वह आज हमारे माध्यम से राष्ट्रों को आशीष देना चाहता है। सुसामचार के द्वारा इस राष्ट्र की सेवा करें। आइए हम अपने आप को परमेश्वर के हाथों में सौंप दें ताकि हम ईश्वर के लिए जिएं न कि अपने लिए। प्रभु हम सभी को आशीष दे।

डॉ. वी.सी.टी. प्रभु सिंह,
एसएआईएसीएस, बैंगलोर

अभिनन्दन!

मित्र सुसामचार प्रार्थना दल CNI की पहली महिला बिशप, महा मान्यवर वायलेट नायक को बधाई देती है। उन्हें 20 मई 2024 को नई दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ रिडेम्पशन में ओड़िशा के फूलबानी डॉयसीस बिशप के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने 2001 से फूलबानी डॉयसीस CNI में प्रेस्बिटर के रूप में सेवा की। उन्होंने सेरामपुर कॉलेज की सीनेट से बी.डी. की उपाधि हासिल की हैं। वह मित्र सुसमचार प्रार्थना दल की की शुभचिंतक भी हैं। हम अपनी प्रार्थनाओं के माध्यम से उनका समर्थन करते हैं कि परमेश्वर उनका मार्गदर्शन करे, उन्हें मजबूत करे और उन्हें परमेश्वर की महिमा के लिए सामर्थ्य के साथ इस्तेमाल करे।

– **रेव्ह. रॉबिन्सन हसडक ,**
प्रभागीय सचिव – मिशन मोबिलाइज़ेशन
उत्तर एवं पूर्वोत्तर भारत, एफ.एम.पी.बी., नई दिल्ली

तमिलनाडु राज्यस्तरीय वार्षिक सम्मेलन 2024

''मैं कौन हूँ'' – 2शमूएल 7:18

'' मैं कौन हूँ'' की गूँज पूरे बेथेल परिसर, सलेम में सुनाई दे रही थी। परमेश्वर द्वारा दी गई इस खूबसूरत भूमि में राज्यस्तरीय शिविर में भाग लेने की इच्छा के साथ, परमेश्वर के संतान 15 मई को ट्रेनों, बसों, विशेष वाहनों और अपने स्वयं के वाहनों में परिवारों के साथ और अकेले बेथेल की ओर चल पड़े। चेन्नई रेडहिल्स क्षेत्र के अगुवों और स्वयंसेवकों ने उन सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो पंजीकरण और आवास के लिए जिम्मेदार थे। बेथेल परिसर को बाइबिल के वचनों से सजाया गया था जिसने सभी के दिलों को जीत लिया। मिशनरी कलाकार श्री के. कठिन प्रयासों से हाथों से बनाए गए चित्र, जातीय विवरण और लोगों के समूहों की तस्वीरें और मिशनरियों की आत्मकथाओं को तैयार कर रखे थे।

वाई. नवनीत अन्नान को मुख्य हॉल में रखा गया था और सभी प्रतिभागियों की चुनौती दी गई थी। 16 मई को तमिलनाडु वार्षिक राज्य सम्मेलन का उद्घाटन कार्यक्रम प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। श्री ई.डी.ए. जॉन धनराज और श्री हेनरी बेसिंगर के नेतृत्व में मदुरै संगीत दल ने सभी प्रतिभागियों के साथ मधुर संगीत के साथ सुरीली गीतों को प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष श्री एस. जेम्स धर्मबालन ने सी.एन.आई. गुजरात डायोसिस के बिशप, विशेष वक्ता, बेथेल निदेशक और आयोजक दल का गर्मजोशी से स्वागत किया। महासचिव रेव्ह. एस. जॉन बर्लिन ने गुजरात डायोसिस के बिशप का परिचय कराया और बिशप ने सम्मेलन की शुरुआत की और डायोसिस की ओर से शुभकामनाएँ दीं। रेव्ह. एस. रविकुमार ने 2शमूएल 7:18 से ''मैं कौन है'' मूल विषय पर ''एक मिट्टी का फूलदान बोलता है'' के साथ एक सुन्दर परिचय प्रस्तुत किए। बेथेल के कार्यकारी निदेशक श्री एल. एबेनेजर ने प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। संचार विभाग की सचिव श्रीमती मर्सी सेल्विन द्वारा मूल विषय पर निर्मित गीतों वाली पेन ड्राइव पेश किया गया और अध्यक्ष सी. रेजिनाल्ड द्वारा समर्पित किया गया और पहली प्रति गुजरात डॉयसीस के बिशप को प्रदान की गई। मित्र सुसामचार प्रार्थना दल में अपनी सेवकाई पूरी करने मिशनरियों को सम्मानित किया गया और स्मृति चिन्ह के रूप में उपहार दिए गए। हमारे जिन मिशनरियों ने अच्छी लड़ाई लड़कर प्रभु के पास चले गए हैं, उन्हें प्रार्थनाओं में याद किए गए। झारखंड से संथाल विश्वासियों, पंजाब से सिख विश्वासियों,

महाराष्ट्र से अलापल्ली छात्रावास के युवाओं, हिमाचल प्रदेश से आए हमारे मिशनरी परिवारों और उत्तर प्रदेश से आए हमारे जेल में बंद मिशनरी परिवारों की उपस्थिति ने सम्मेलन की शोभा को खूबसूरत और खास बना दिया। भारत के विभिन्न भागों से आए हमारे मिशन क्षेत्रों के विश्वासियों और मिशनरियों के शानदार सांस्कृतिक परिधानों से सजे जुलूस ने सभा भवन में एकत्रित 3159 लोगों का उत्साह को बढ़ाया।

उद्घाटन दिवस पर पहला संदेश डॉ. वी.सी.टी. प्रभुसिंह ने दिया। उन्होंने अपने संदेश में दाऊद की की इच्छा पर प्रकाश डाला। जब सब कुछ सही था, तो वह प्रभु के लिए कुछ करने के लिए तरस रहे थे और लोगों को प्रभु के लिए कुछ करने का निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया। दोपहर के भोजन के बाद, युवाओं, किशोरों और बच्चों के लिए अलग–अलग सभएँ आयोजित की गईं जिसमे 517 युवाओं और 708 किशोरों ने भाग लिया। वयस्कों की सभा में संथाल विश्वासियों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य और गवाही साझा करने से सभी 1,569 प्रतिभागी रोमांचित हो उठे। संध्या सभा के दौरान, अलापल्ली के हमारे विश्वासियों के बच्चों की गवाही ने परमेश्वर को महिमा दी। नवनीधर अन्नान के प्रकाश और ध्वनि कार्यक्रम ने हमारे मिशनरियों के चुनौतीपूर्ण कार्य और हमारे विश्वासियों की प्रतिबद्धता को दर्शाया। प्रत्येक सभा के अंत में, श्री ए.पी. कनगराज के नेतृत्व में परामर्श दल ने उन लोगों को परामर्श दिया और मार्गदर्शन दिया जिन्होंने वेदी के आह्वान को स्वीकार किया।

शिविर का दूसरा दिन मई 17 को ''उपवास और प्रार्थना दिवस'' के रूप में मनाया गया। सभी प्रतिभागियों ने उपवास किया और राष्ट्र और हमारी सेवकाई के लिए आँसुओं के साथ प्रार्थना की। संथाल और सिख विश्वासियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और सेवकाई साझा करने से प्रतिभागी प्रार्थना के लिए अधिक प्रोत्साहित हुए। हमारे हिमाचल प्रदेश की चुनौतियों से भरी हुई सेवकाई ने प्रार्थनाओं को और अधिक बल प्रदान किया। उत्तर प्रदेश से हमारे पूर्व में जेल में बंद मिशनरी द्वारा साझा किए गए संदेश ने सभी को भावुक कर दिया। शाम को डॉ. वी.सी.टी. प्रभु

सिंह के प्रेरणा दायक संदेश ने कई लोगों को प्रभु की सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के तीसरे दिन 18 मई को,, रेव्ह. डी. पॉल सोलोमन के एक्शन ऑवर के दौरान दिए गए संदेश ने कई लोगों को समर्पण करने में मदद की। फिर लोगों को अलग अलग प्रांत के अनुसार विभाजित किया गया, और अपने–अपने क्षेत्रों के नेताओं और समर्थकों के साथ वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए योजनाएँ बनाई गई।

दोपहर में, हमारे संगठन के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने अपने कार्य अनुभवों को साझा किए और संगठन के रूप में हमें अभी भी जो महत्वपूर्ण कार्य करने हैं, उनके बारे में बताया, जिससे सभी को विचार करने के लिए प्रोत्साहन मिला। इस वर्ष, नवविवाहित जोड़ों के लिए एक विशेष सभा आयोजित की गई थी। रेव्ह. एस. इम्मानुएल रंजीतसिंह और श्रीमती. वसंती इम्मानुएल ने पारिवारिक जीवन पर बेहतरीन प्रस्तुति दी, जो भाग लेने वाले जोड़ों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक के रूप में काम आई। शाम के समय खूबसूरत घास वाली पहाड़ी पर एकत्रित सभी लोगों के लिए हमारे महा सचिव, रेव्ह. एस. जॉन बर्लिन ने पवित्र आत्मा के साथ गहन भक्ति के साथ परमेश्वर का वचन सुनाया। बहुत से लोगों ने आँसू बहाते हुए स्वयं को प्रभु को समर्पित किया।

शिविर का अंतिम दिन का कार्यक्रम 19 मई सुबह 4:30 बजे पवित्र भोज की आराधना के साथ आरम्भ हुआ। बहुत से लोग बड़ी इच्छा के साथ प्रभु की उपस्थिति में बैठे थे। अध्यक्ष, श्री सी.

रेजिनाल्ड ने एक दिव्य संदेश दिया जो सभी को गहराई के साथ प्ररित किया। इसके बाद सुबह 9 बजे SCAN सत्र आयोजित की गई, जिसमें रेव्ह. एस. डैनियल थॉमस ने प्रभु के वचन को बाँटा।

इस शिविर के दौरान किशोरों, युवाओं और बच्चों ने कई प्रार्थना समूहों स्थापित कर ईमानदारी के साथ प्रार्थना की। यह एक अविस्मरणीय घटना थी जब 45 बच्चों ने उपवास और प्रार्थना के दिन दो बार भोजन छोड़कर प्रार्थना की।

युवा सभा में 106 लोगों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया और 61 युवाओं ने पूर्ण–कालिक सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित किया। परमेश्वर ने 128 नए युवा प्रार्थना समूहों के गठन पर भी कृपा की। 46 किशोरों ने खुद को समर्पित किया और 93 किशोर प्रार्थना समूहों का गठन किए गए और 7,855/– रुपये का दान दिया। बच्चों की सभा में, 93 बच्चों ने पहली बार मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इसके अतिरिक्त, 124 बच्चों ने राष्ट्र और मिशनरियों के लिए प्रार्थना करने के लिए स्वयं को समर्पित किए और छह लोगों ने पूर्ण–कालिक सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। बच्चों के माता–पिताओं के लिए विशेष परामर्श सत्र संचालित किए गए। इस वर्ष, 15 बच्चों ने पैसे से भरी हुंडियाँ वापस कर दीं और 18 नई हुंडियाँ जारी की गईं।

शिविर संयोजक श्री पी. देवराज, समन्वयक प्रो. जे. अरुलराज डैनियल, शिविर कोषाध्यक्ष श्री एम. प्रिंस मुथुराज, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री एन. एडिसन रत्नम और श्री डी. एलन और श्री एस. धनासिंह ने कई स्वयंसेवकों के साथ मिलकर इस वर्ष के राज्य सम्मेलन की सफलता के लिए सम्पूर्ण मन से काम किए। हम उन सभी के प्रति हार्दिक आभार एवं प्रशंसा व्यक्त करते हैं।

शोलिंगनल्लूर मोबिलाइजेशन डिस्ट्रिक्ट के अगुए श्री डी. एलिया एनोच, श्री जे. अब्राहम, श्री पी. पोनराज और स्वयंसेवकों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने भोजन की जिम्मेदारी ली और बेहतरीन काम किया। हम सभी पूर्णकालिक मिशनरियों एवं मानद मोबिलाइजेशन सचिवों, प्रार्थना दल और SCAN अगुवों, और बेथेल प्रबंधन के प्रति जिन्होंने इस शिविर को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

प्रभु के नाम की महिमा हो।

रेव. एस. डैनियल थॉमस

सचिव, मोबिलाइजेशन – तमिलनाडु एवं पांडिचेरी

मिशनरी समर्पण

परमेश्वर की अनुग्रह से 9/6/2024 को केरल के पलक्कड़ में हमारे एक मिशनरी का समर्पण किया गया। उन्हें श्री सुमैल और उनके परिवार द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। हम इस परिवार के लिए परमेश्वर को धन्श्वाद देते हैं जो अपनी प्रार्थना और भेंट के माध्यम से इस मिशनरी का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। इस समर्पण सेवा की अध्यक्षता रेव्ह. विनोद एलन, रेव्ह. मैथ्यू जॉर्ज, रेव्ह. डेनिस और रेव्ह. शिबू ने की। उन्होंने मिशनरी को आशीर्वाद दिया और समर्पित किया। आराधना सत्र का नेतृत्व पादरी कृष्ण कुमार ने किया जिसके बाद मिशनरी ने अपने सेवकाई अनुभव और प्रार्थना निवेदन साझा किया। मवेलीकारा के रेव्ह. स्टेनली जॉर्ज ने परमेश्वर के वचन बाँटे और सेवा का समापन पलक्कड़ के मानद सचिव श्री पीपी चेरियन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

– **रेव. गोल्डन इन्बाराज,** सचिव, मोबिलाइजेशन, कालीकट

पैने पर लात मारना कठिन है

हुबली जिले के उपलादानी गाँव के प्रशासन ने वहाँ क्रिसमस कार्यक्रम के आयोजन पर रोक लगा दी थी। फिर भी हमारे विश्वासियों ने दृढ़ता के साथ प्रार्थना की। इस दृढ़ विश्वास के साथ कि प्रभु उनकी लड़ाई लड़ेगा, उन्होंने चर्च के सामने जगह को सजाया और क्रिसमस का कार्यक्रम शुरू किया। पड़ोसी चर्च से भी विश्वासीगण आए थे। उसी गाँव के बुजुर्ग और बच्चे भी कार्यक्रम देखने के लिए एकत्र हुए थे। जब कार्यक्रम जारी था, मंदिर की ध्वनि प्रणाली द्वारा की गई एक घोषणा से अचानक रुकावट आई जिसके माध्यम से गाँव के एक नेता ने क्रिसमस कार्यक्रम को रोकने और सभी ईसाइयों को मंदिर के सामने इकट्ठा होने का आदेश दिया। लेकिन इस आदेश की अवहेलना करते हुए, हमारे विश्वासियों ने कार्यक्रम जारी रखा जो बहुत अच्छी तरह से समाप्त हुआ। अगले दिन गाँव के मुखिया की पत्नी को एक बुरी आत्मा ने जकड़ लिया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। पूरे गाँव में एक श्रद्धापूर्ण भय फैल गया। वर्तमान में इस गाँव में सभी मसीही गतिविधियाँ निर्विरोध चल रही हैं और सभी लोग शांति से हैं।

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Venkatapuram

Kindly contact us: **finance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

BARCODE

facilities to send your offertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

गेहूँ का गिरा हुआ दाना!

रेव्ह. राम सिंह भाई वसावा
(1957 – 2024)

रेव्ह. राम सिंह भाई वसावा का जन्म गुजरात के भरूच प्रांत के वालिया तालूक के समरपाड़ा गाँव में हुआ था 16 जून 1957 को हुआ था। जब वह सिर्फ चार साल का था, तब उसके माता–पिता का निधन हो गया। सेंट जेवियर हाई स्कूल में पढ़ते समय, उसने यीशु मसीह के बारे में थोड़ा बहुत सीखा। कॉलेज की शिक्षा के अवसर के बिना, उसने अपने गाँव में कृषि प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली।

सन् 1980 में, जब मित्र सुसामचार प्रार्थना दल के द्वारा समरपाड़ा गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया, तो अशांति का जीवन जी रहे रामसिंह ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें एक लेखक के तौर पर सरकारी नौकरी मिल गई। हालाँकि, उन्होंने नौकरी ठुकरा दी और 1981 में वे स्वयंसेवक के तौर पर गाँव–गाँव में प्रचार कार्य करने वाले अग्रणी कार्यकर्ता रेव्ह. जॉन पॉल धनासिंह और मिशनरी रेव्ह. नेसामनी के साथ जुड़ गए।

1982 से 1989 तक उन्होंने गुजरात के देदियापाड़ा के चकरा में स्थानीय प्रचारक के रूप में काम किया। 28 जनवरी 1986 को उन्होंने उर्मिला बेन से विवाह किया और उनकी चार बेटियाँ हुईं– प्रीति, प्रगति, सारा, रिंगो– और एक बेटा आशीष जॉन। 1989 में वे पूर्णकालिक मिशनरी बन गए और एक साल तक यवतमाल में एक वर्षीय सेवा प्रशिक्षण पूरी की। इसके बाद उन्होंने 1993 से 1994 तक बिहार के गोपालगंज क्षेत्र में और 1995 से 1999 तक महाराष्ट्र के धड़गांव में अपनी सेवा दी। 1999 के बाद, उन्होंने गुजरात के सेलाम्बा, मोसाली, वलिया, करोट और कोसाम्बा क्षेत्रों में अपनी सेवा को जारी रखा। रेव्ह. राम सिंह बहुत समर्पित थे और जहाँ भी उन्होंने काम किया, वहाँ उन्होंने कई आराधना समूहों का निर्माण किया। उन्होंने 30 जून, 2022 को अपनी सेवानिवृत्ति तक जिम्मेदारी के साथ परमेश्वर के कार्य का अनुसरण किया। 8 जून, 2024 को उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे ईश्वर के राज्य में प्रवेश कर गए। आईए हम उनकी पत्नी, बच्चों और परिवार के लिए प्रार्थना करें जो उनकी मृत्यु से दुखी हैं।

रेव्ह. राम सिंह के बारे में गवाही: रेव. नेसामनी और वासावी बाइबिल अनुवादक रेव्ह. एस. राजेंद्रन ने उनके समर्पण की गवाही दी। रेव्ह. राम सिंह, जो मंत्रालय में अपनी कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते थे, अक्सर पैदल कई गांवों का दौरा करते थे, और जब कोई परिवहन नहीं था, तब साइकिल से, सुसमाचार का प्रचार करते हुए और बहुत से वासवा लोगों को परमेश्वर के पास ले जाते थे। एक युवा सेवक के रूप में, उन्होंने वरिष्ठ मिशनरियों की सलाह और फटकार को स्वीकार किया और खुद को सुधारा। उन्होंने अपनी सेवकाई में सभी चुनौतियों का सामना प्रार्थना और विश्वास के साथ किया, उत्साह के साथ सेवा की और अन्य कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। जब भी उनके काम के लिए दूसरे जिलों और राज्यों में स्थानांतरित होने की आवश्यकता पड़ी, तो उन्होंने आज्ञाकारिता और खुशी के साथ परमेश्वर की इच्छा को स्वीकार किया और उसे पूरा किया।

द्वारा संकलित

श्रीमती जया सौन्दरी जेबाराज,

संचार विभाग

मिशन’24 रिपोर्ट

वार्षिक मिशनरी शिविर – विशाखा, आँन्ध्र प्रदेश

विशाखपत्तनम से 110 किलामीटर दूर अराकू वैली हिल स्टेशन के सेंट जोसेफ बॉयज हॉस्टल में 17 से 19 मई 2024 तक हमारे विशाखापत्तनम सदस्यों के लिए वार्षिक मिशनरी कैंप, मिशन' 24 आयोजित करने में सक्षम बनाया और हमें मिशनरी दर्शन प्रदान किया उसके लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। शिविर में कुल 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिनमें 38 युवा, 23 बच्चे और 89 वयस्क शामिल थे। शिविर में वयस्कों, युवाओं और बच्चों के लिए एक साथ चलने वाले कार्यक्रमों के तीन ट्रैक शामिल थे।

वयस्कों और युवाओं के लिए वक्ता के रूप में श्री. मनोहा, सहायक आयुक्त, आबकारी एवं निषेध विभाग, ए.पी.ई.जी.एफ. से प्रो. सुकुमार, एफ.एम.पी.बी. से रेव्ह. के. प्रशांत कुमार, आँन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्षेत्रीय सचिव रेव्ह. आर.जे.बी.वी. प्रसाद और श्रीमती जैसिंथ प्रसाद, एफ.एम.पी.बी. मिशनरी परिवार, भाई कोनका गिरि बाबू और भाई डैनियल विजयराज थे। बच्चों के कार्यक्रम के लिए वक्ता के रूप में श्री जोनाथन, श्रीमती मर्सी और चाइल्ड इवेंजलिज्म फेलोशिप से उनकी टीम थी। सभी कार्यक्रम परमेश्वर की महिमा के लिए प्रभावी ढंग से आयोजित किए गए थे! युवा कार्यक्रम में हमारे FMPB के युवा अगुवे, श्री जॉन जैकब और श्री वान्या तथा टीम के सदस्य शामिल थे। शिविर की व्यवस्था में मित्र सुसामचार प्रार्थना दल के स्थानीय अगुवों और मित्र सुसामचार प्रार्थना दल के युवा कोर टीम की भूमिका जबरदस्त थी! परमेश्वर की हो!

हम सारी महिमा और आदर अपने सर्वशक्तिमान परमेश्वर को देते हैं जिन्होंने शिविर में अद्भुत कार्य किया और इसे सभी उपस्थित लोगों के लिए एक आशीष का कारण बनाया।

– **शांति राम्याराजू, एफ.एम.पी.बी.,** विशाखापत्तनम।

गेहूँ का गिरा हुआ दाना!

श्रीमती जेयासीली देवदास

श्रीमती जेयासीली इस्राएल एक समर्पित मिशनरी थीं जिन्होंने अपना जीवन गुजरात राज्य के कुकना समुदाय के लोगों के लिए समर्पित कर दीं। जयसीली का जन्म 23 जून, 1957 को श्रीमती सुंदरी और श्री वेदामुथु, दक्षिण तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के एक गांव मनारकाडू के एक सब–इंस्पेक्टर चार बच्चों में से एक के रूप में हुआ था। कम उम्र से ही, उन्होंने अपने माता–पिता और परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जिया। स्कूल में पढ़ते समय, जेयासीली को अपने साथी छात्रों को यीशु के बारे में बताना बहुत पसंद था। उसने ग्यारहवीं कक्षा में एक दृढ़ीकरण कक्षा के दौरान यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार की थी। एक आध्यात्मिक सभा में सुसमाचार प्रचार की आवश्यकता के बारे में प्रेरित होकर, जेयासीली ने स्वयं को सुसमाचार प्रचार के लिए समर्पित कर दी। अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने टाइपिंग सीखी और 1977 में, FMPB में पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में शामिल हुईं। उन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण के लिए उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद भेजी गई। 27 मई, 1977 को उन्होंने श्री इस्राएल देवदास से विवाह किया और गुजरात के डांग जिले में रहने वाले कुकना लोगों के बीच मिशनरी कार्य करने के लिए पिपलवाड़ा गाँव चली गईं। उस समय, इस क्षेत्र में जंगल में रंग–बिरंगे बांस के घर बिखरे हुए थे जहाँ खूंखार बाघ घूमते थे, और लोगों के पास बिजली, परिवहन और चिकित्सा सुविधाओं का अभाव था।

श्रीमती जेयासीली ने अपने पति के साथ प्राचीन गाँवों में सुसमाचार प्रचार करना शुरू की, जहाँ ग्रामीणों पर तांत्रिकों एवं गाँव के नेताओं का नियंत्रण था। उनकी उत्कृष्ट प्रार्थनाओं के कारण, परमेश्वर की आत्मा ने चमत्कार के कार्य किए, और लोगों ने बड़ी संख्या में यीशु को स्वीकार करना शुरू कर दिया। आज, श्रीमती जेयासीली एवं रेव्ह. इस्राएल देवदास द्वारा रखी गई नींव के कारण 45 हजार से अधिक कुकना लोगों ने परमेश्वर को स्वीकार किया और सैकड़ों सभाओं में उनकी आराधना करते हैं। जेयासीली और रेव्ह. इस्राएल ऐवदास सन् 1989 में, धर्मशास्त्र में आगे की पढ़ाई के लिए पुणे में यूबीएस कॉलेज ऑफ थियोलॉजी चले गए और पिप्पलवाड़ा में शुरू किए गए नेतृत्व प्रशिक्षण केंद्र में अपना सेवकाई को जारी रखा। कुछ समय के लिए झाँसी में राष्ट्रीय मिशनरी प्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी होने के बाद, उन्होंने अपने काम को पूरा करके गुजरात के पिप्पलवाड़ा लौट आए। अपने पति के साथ उनकी मिशन यात्राओं पर जाना और गाँव की महिलाओं से अकेले मिलना, उनकी समस्याएँ सुनना और उनके साथ प्रार्थना करना उनका रिवाज था। जेयासीली प्रशिक्षण केंद्र में आए प्रत्येक व्यक्तियों के गर्मजोशी के साथ स्वागतपूर्ण व्यवहार के लिए जानी जाती थीं।

अंत में उन्होंने फील्ड ऑफिस में काम की और 2022 में अपनी बेटी के साथ रहते हुए सेवानिवृत्त हो गईं। वह खराब स्वास्थ्य से पीड़ित थीं और 11 जून, 2024 को परमेश्वर के शाश्वत विश्राम में प्रवेश कीं। परमेश्वर ने इस मिशनरी परिवार को परमेश्वर ने दो बेटियाँ, ग्रेस और ग्लोरी, और दो बेटे, जेम्स और नूह को देकर आशीषित किया है। ये सभी विवाहित हैं और परमेश्वर के गवाह के रूप में रह रहे हैं। आईए हम श्रीमती जेयासीली के सुंदर समर्पित जीवन के लिए परमेश्वर की स्तुति करें और उनके बच्चों और पोते–पोतियों की शांति के लिए प्रार्थना करें।

द्वारा संकलित **रेव्ह. डी. अब्राहम,**
संचार विभाग.

डोलियांबर
कलीसिया का इतिहास

दक्षिण पश्चिम क्षेत्र II,
पश्चिमी अंचल, गुजरात

द्वारा लिखित:
रेव्ह. एल. मसीलामणि

सामान्य जानकारी : डोलियांबर गुजरात के डांग जिले के सुबीर तालुक में स्थित एक मध्यम आकार का गाँव है। आहवा उप जिला मुख्यालय है और इस गाँव से जिला मुख्यालय की दूरी 50 किमी है। यह गाँ मालगा पंचायत के अन्तर्गत आता है। जिला मुख्यालय अहवा से इस गाँव की दूरी 50 किलोमीटर है।

आरम्भ : 8–5–1981 को, एल. मसीलामणि, उनकी पत्नी श्रीमती वनमथी और उनके पहले बेटे एम. जॉन किंग्सली (दो साल और आठ महीने) ने पीपलदाहड़ गाँव में किराए के घर रहते हुए अहवा मिशन क्षेत्र की शुरूआत की। सेवकाई के दौरान उन्हें पता चला कि पास के जुन्नेर गाँव में सुसामचार के प्रति अच्छी ग्रहणशीलता थी और वे 30 नवम्बर 1981 को वे जुन्नेर गाँव चले गए। श्री सम्पत भाई को अहवा क्षेत्र (इसे शुरू में पीपलदाहड़ क्षेत्र कहा जाता था) में काम करने के लिए प्रचारक के रूप में भर्ती किया गया था और वे 3 मई 1982 को जुन्नेर आया। आस–पास के गाँवों से बीमार लोग जुन्नेर आए और मिशनरियों और प्रचारकों की प्रार्थनाओं के माध्यम से चंगाई पाए।

डोलियांबर गाँव का प्रथम विश्वासी : डोलियाम्बर गाँव का मनु भाई भावदु भाई उमरशाला को उसकी बीमारी से चंगाई की बहुत जरूरत थी। **उसकी गवाही:** "मेरा नाम मनु भाई भावदु भाई है। मैं डोलियांबर गाँव में रहता हूँ।

मुझे सीने और गले में दर्द और हमेशा जलन रहता था। मुझे बारडोली शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। परन्तु कोई सुधार नहीं हुआ। फिर मुझे महुवा शहर में एक पीर दरगाह (मुस्लिम पवित्र व्यक्ति की कब्र) में रखा गया, बाद में अंबाला शहर में पीर दरगाह में 52 दिनों के लिए रखा गया। मैंने पारंपरिक भक्ति की और भक्तों के माध्यम से आत्माओं को प्रसाद चढ़ाया और मेरे रिश्तेदारों ने भी मुर्गे, बकरे आदि की बलि देकर आत्माओं को प्रसन्न करने के लिए पूजा की। इतना कुछ करने और हजारों रुपये खर्च करने के बावजूद मैं ठीक नहीं हुआ। फिर परिवार के सभी सदस्यों ने सोचना शुरू किया और मसीही धर्म को अपनाने का फैसला किया। हमारे गाँव के सकाराम नामक एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि जुन्नेर गाँव में मसीही लोग सेवा कर रहे हैं और वहाँ एक चर्च है। इसलिए मैं एक रविवार को उस चर्च में गया और आराधना में भाग लिया। प्रचारक संपत भाई और मिशनरी एल. मसिलामणि ने मेरे लिए प्रार्थना की। उनकी

प्रार्थनाओं से मुझे चंगाई मिली। उस दिन से मैं और मेरे परिवार के सभी सदस्य मसीही बन गए। हम 4 जुलाई 1982 को जुन्नेर गाँव में मसीही मण्डली में शामिल हो गया।"

डोलियांबर गाँव में पहली सभा 31 जुलाई 1982 को गाँव के मुखिया मोतीराम के घर पर आयोजित की गई थी। प्रचारक संपत भाई उस गाँव में नियमित रात्रि सभाएँ आयोजित करते थे। रविवार की आराधना में छह परिवार जुन्नेर चर्च में आते थे। इन पहले विश्वासियों ने मिशनरियों को जुन्नर गाँव से निकाले जाने के बाद उन्हें अपने गाँव में लाकर सेवकाई को जारी रखने में सहायता की।

विरोध के कारण जाँच के दौरान प्रथम विश्वासी की गवाही : एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक का नाम अर्जुन भाई चौधरी ने 9 बच्चों को बेथेल छात्रावास में ले जाने के कारण जुन्नर गाँव में विरोध को भड़काया। ग्राम प्रधान ने मिशनरियों, प्रचारकों का कड़ा विरोध किया। नए मसीहियों से पूछताछ की गई। मनु भाई और उनकी पत्नी ने साहसपूर्वक मसीह के पक्ष में गवाही दी। सभाएँ आयोजित कीं और कहा कि यदि उन्हें जुन्नेर गाँव छोड़ने को कहा जाए तौभी अपने गाँव में मिशनरी परिवार को लेकर आएँगे। जाँच समिति ने मिशनरियों और सुसमाचार प्रचारकों को जुन्नेर गाँव छोड़ने के आदेश दिए। इसलिए उन्होंने 30 अगस्त 1982 को जुन्नेर छोड़ दिया और अहवा चले गए। परमेश्वर ने डोलियाम्बर गाँव के मुखिया को मिशनरियों को अपने गाँव में आमंत्रित करने के लिए तैयार किया।

डोलियांबर ग्राम प्रधान मोतीराम भाई सुखीराव भाई राठौड़ की गवाही:

"मेरी पत्नी का नाम गंगू बेन मोतीराम राठौड़ है। वह शारीरिक और मानसिक बीमारियों से पीड़ित थी और वह लोगों से दूर भागती थी। मैंने धार्मिक पुजारियों को बुलाया जिन्हें ''भगत'' कहा जाता था और बकरे, मुर्गे, नारियल आदि चढ़ाए। मैं अपनी पत्नी के लिए ओझाओं (दैवज्ञों) के माध्यम से उसके लिए चंगाई दिलाने का प्रयास कर रहा था। परन्तु वह चंगी नहीं हो सकी। मेरी पत्नी के रिश्तेदार बोरिनापाड़ा गाँव में मसीही बन गए थे और उन्होंने उसे दहेर गाँव के चर्च में बुलाया, वहाँ वह प्रार्थना के माध्यम से चंगी हो गई। तब मैं और मेरा पूरा परिवार यीशु मसीह में विश्वास करते थे। मैंने अपने गाँव के मनु भाई से सुना कि मिशनरियों को जुन्नेर गाँव से निकाल दिया गया है। इसलिए मनु भाई और मैंने दिसंबर 1982 में यहाँ से सेवा करने के लिए आहवा से मिशनरी एल. मसीलामणि परिवार को हमारे गाँव में आमंत्रित किया। मैं और मेरा भाई मिशनरियों के साथ अन्य गाँवों में जाकर गवाही देते थे और दूसरों को बताते थे कि दोलियांबर गाँव के लोग जो कभी कुख्यात थे अब वे मसीही बन गए हैं और वे मिशनरी सेवा का समर्थन कर रहे हैं।"

मिशनरियों का डोलियाम्बर गाँव की ओर प्रस्थान : 12 मार्च 1983 को मिशनरियों ने जुन्नेर गाँव छोड़कर दोलियांअर गाँव पुहँचे। सी.एन.आई. चर्च के पादरी रेव्ह. टी.वी. गायकवाड़ ने विरोध के समय उनकी बहुत मदद की। मिशनरियों को शुरुआत में गाँव के मुखिया के घर के बरामदे में रहने की जगह मिली, बाद में एक कमरे में एक तरफ बकरियां और दूसरी तरफ गाय और बैल रखे गए। उनका सादा जीवन सीधे–सादे आदिवासी लोगों को बहुत पसंद आया। उन्होंने ईसाइयों और खोजियों के लिए प्राथमिक उपचार करके कुछ चिकित्सा सेवाएँ भी की। परमेश्वर ने चमत्कार के कई किए और बहुत से लोगों ने यीशु पर विश्वास किया।

कलीसिया का विकास : डाला वरली जनजाति के भाई ने अपना अनुभव बताते हुए कहा : ''मैंने 8वीं से 10वीं तक पिंपरी मिडिल स्कूल में पढ़ाई की। अपने गाँव डोलियांबर में 10वीं की छुट्टियों

के दौरान, मेरे पैर में सूजन आ गई थी, जिसमें मवाद था और बहुत दर्द हो रहा था। मैं रात भर दर्द से चिल्लाता रहा। मैंने वनमती को फोन किया। मसीलामणि, मेरी बहन सारू बेन और राना बेन ने मेरे लिए प्रार्थना की। रात में मिशनरी एल. मसीलामणि ने भी मेरे लिए प्रार्थना की। मैं चंगा हो गया और 21 सितम्बर 1985 को यीशु की मण्डली में शामिल हो गया। मैं अब चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के साथ एक नियुक्त पादरी के रूप में परमेश्वर की सेवा कर रहा हूँ।"

महान फसल : 24 अक्टूबर 1983 को, बॉम्बे भांडुप तमिल मेथोडिस्ट चर्च के सात सदस्य अपने प्रायोजित मिशनरी एल. मसिलामणि के सेवकाई को देखने के लिए डोलियांबर आए। भजन मंडली रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक चली। इसमें करीब 250 लोग शामिल हुए। 26 अक्टूबर 1983 को रेव्ह. एस. रेटनामनी और टीवी गायकवाड़ के नेतृत्व में 75 लोग यीशु के झुंड में शामिल हुए। डोलियांबर गाँव के मुखिया मोतीराम के परिवार, भाई और उसका साला बिक्कू भाई (खरबारी) ने बपतिस्मा लिया। नया जीवन सेवा मण्डल (एनएसएम) के द्वारा रेव्ह. एस. अरुलराज के नेतृत्व में डोलियांबर गाँव में साक्षरता कक्षाएँ शुरू की गईं।

कलीसिया भवन का निर्माण : मोतीराम भाई के घर में सभाएँ आयोजित की जाती थीं। जब लोगों की संख्या बढ़ी तो उन्होंने अपने गाँव में एक चर्च बनाने की योजना बनाई। मोतीराम भाई ने चर्च निर्माण के लिए भूमि दान की। लोगों ने दीवारों के लिए लकड़ी, बांस दान किए और कच्चे चर्च के निर्माण के लिए मुफ्त श्रमदान दिया। स्थानीय वन अधिकारी ने एक पेड़ दिया जिस पर क्रॉस झंडा फहराया जा सके। डॉ. एस. देवदास ने 27 जून 19841 को क्रूस झंडा फहराया चर्च को समर्पित किया और वनपाल ने उन्हें माला पहनाई। समर्पण समारोह के लिए 400 से अधिक लोग एकत्र हुए। सी.एन.आई. के प्रचारक मधुकर एम. पवार (बाद में अभिषिक्त पादरी) ने रात्रि भजन सभा का नेतृत्व किया।

कलीसिया भवन का संस्कार : इस पहले चर्च का नवीनीकरण किया गया और 22 अप्रैल 1990 को समर्पित किया गया। क्षेत्रीय फील्ड सेक्रेटरी रेव्ह. जॉनसन बरनबास ने नवीनीकृत चर्च को समर्पित किया। पक्का चर्च की योजना उस समय बनाई गई थी जब डी. अब्राहम यहाँ के फील्ड मिशनरी थे। मोतीराम भाई ने दूसरे इलाके में अपनी जमीन दान कर दी और सभी लोगों ने चर्च निर्माण के लिए स्वतंत्र रूप से काम किया। चर्च की लंबाई 50 फीट और चौड़ाई 25 फीट है। 25 सितम्बर 2007 को इस चर्च का निर्माण कार्य पूरा हुआ। चर्च का संस्कार 19 अक्टूबर 2007 को किया गया। रेव्ह. एस. अरुलराज ने एक दल के साथ आकर इस चर्च का संस्कार किया। विश्वासीगण वरली और भील लोगों के समूह से हैं। श्री जयराम भाई मोतीराम भाई इस चर्च के कैटेकिस्ट हैं। चर्च में 60 से 90 लोग आते हैं। शुक्रवार को रात में प्रार्थना सभा और हर बुधवार को कॉटेज प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है। कोई विरोध नहीं है। मनु भाई शुरू से लेकर अब तक चर्च के प्राचीन हैं। डाला भाई और सीताराम भाई जो इस चर्च से पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनने के लिए प्रतिबद्ध थे, अब पादरी बन गए हैं।

पिपलवाड़ा क्षेत्र के बरदीपाड़ा गाँव में आयोजित एक समारोह के माध्यम से इस चर्च को चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के साथ एकीकृत कर दिया गया है। क्रमिक एकीकरण के लिए एक समझौते के साथ 2004 से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी। अप्रैल 2013 में एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हो गई। एकीकृत चर्च सी.एन.आई. डॉयसीस के प्रत्यक्ष प्रशासन के अधीन है। गुजरात सी.एन.आई. द्वारा नियुक्त एफ.एम.पी.बी. प्रचारक इन चर्चों के पादरी हैं।

प्रार्थना निवेदन : प्रार्थना करें कि पूरा गाँव विश्वास में आ जाए। जो लोग मसीही धर्म से दूर हो गए हैं, उन्हें वापस मसीही विश्वास में वापस आएँ। युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे नियमित रूप से आराधना में भाग लें और विश्वासियों के बच्चों को पढ़ाई की सुविधा मिले।

1 जुलाई सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री एलीयाकिम जेना
श्री हारामोहन प्रभु दास
श्री जुबाराज बर्धन, श्री हेनरी के.
श्रीमती दीपिका एलीयाकिम
श्री संजय कुमार बीरो
श्रीमती राजकुमारी रोज़िता लक्ष्मणन
श्रीमती ज्योति निर्मला पुष्पाराज
श्री मनोज कुमार पाणि, श्री. अरुण घंटा
श्रीमती जगदीश्वरी बालाजी
श्री दिनेश कुमार, श्रीमती उर्बासी दिगल

जम्मू

आर.एस. पुराः

लुंजालाल सोंगथैट एवं मैरी नेंगनेइकिम

स्तुति : 4 व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास की घोषणा की और यीशु मसीह को स्वीकार किया है और विश्वासी बन गए हैं। अगरसक गाँव का चर्च जो विरोध के कारण बंद कर दिया गया था, फिर से आराधना के लिए खोल दिया गया है। चर्च में आने वाले नए सदस्य सोबरम भी अपने परिवार के सदस्यों के सामने यीशु के बारे में गवाही दे रहा है। अगरसक गाँव के भटके हुए विश्वासी कलीसया में वापस आए और अपने जीवन को फिर से समर्पित किया।

प्रार्थना : कुलियान गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास में निराश हो चुके हैं, ताकि वे फिर से मसीह में नवीनीकृत हो सकें। कलीसिया की प्राचीन सुनीता कुमारी के पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो रीढ़ की हड्डी से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं। करगपुर की बबली देवी के शल्य चिकित्सा के लिए प्रार्थन करें कि चिकित्सा व्यय पूरा होने पाए और प्रभु उसे चंगाई प्रदान करे। निगालप्लुर के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने पारिवारिक झगड़ों के कारण अपनी शांति और मसीही गवाही खो दी है, ताकि वे पश्चाताप करें और गवाही का जीवन जी सकें। हमारे सम्पर्क में नए आए कुलियान गाँव के जानू और अरनिया गाँव के चित्तू और विशाली के प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में बढ़ सकें।

बशोली : सुरकर रमेशभाई एवं गवित सुनीताबेन

स्तुति : चार व्यक्तियों ने उद्धार का अनुभव किया और मसीह की मण्डली में शामिल हुए। कादीपहाड़ी गाँव में रात्रि सभा शुरू की गई है। सक्का गाँव में एक नई आराधना समूह स्थापित की गई है। परमेश्वर ने सागर के परिवार को नया घर बनाने में आशीष दी है जिन्होंने सेवकाई में मदद की थी। रिंकी देवी को दुष्ट आत्मा के कब्जे से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मंगल गाँव में एक नया आराधनाा समूह शुरू करने के लिए किए गए प्रयासों को परमेश्वर सल करे। दलबाड़ और मरनपुर गाँवों की स्थानीय मंदिर समिति द्वारा मसीही कार्य बंद करने के आदेश को वापस लिया जाए। पवित्र आत्मा इन क्षेत्रों में लोगों को गुरु पूजा के पंथ के मार्ग से दूर करे।

2 जुलाई मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती प्रभा कमली गॉडविन
श्रीमती वसावा हंसा थॉमसभाई
श्रीमती झरना परिच्छा बिपिन

बाजाल्ता/उदमपुर :

वासावे इलेश प्रभु एवं सुनीता वेच्या; अरुण घंटा एवं रेणु

स्तुति : व्यक्तिगत प्रचार के माध्यम से 132 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। महासा और बागथ लोगों के समूहों में सुसमाचार के लिए खुले दरवाजे के लिए प्रभु को धन्वाद दें। 13 लोग हमारे सम्पर्क में नए आए। मनवल गाँव के जेयाललाई के परिवार जो काम और पारिवारिक समस्याओं के कारण आत्महत्या करने के कगार पर थे, विश्वासियों द्वारा प्रार्थना करने पर उन्हें शांति मिली है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि महासा और बसुथ जन समूह के बीच से आत्माओं की अच्छी फसल प्राप्त हो। शिक्षकों की कमी के कारण स्कूल बंद हैं और छात्र गाँव में भटकते हैं और नशे की लत में पड़ जाते हैं, इस स्थिति के बदलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बाल विवाह, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अशिक्षा और काले जादू की बुराइयों को मिटाया जाए। हमारे मिशनरी की सास को लकवा से चंगाई मिले।

हिमाचल प्रदेश

रामपुर :

दोउजापाओ गुइटे एवं फ्लोरेंस लामवुंग

स्तुति : सांप्रदायिक विद्रोह के 2 साल बाद, प्रभु ने हमारे मिशनरी परिवार को मणिपुर में अपने रिश्तेदारों से मिलने जाने में सक्षम बनाया, जिन्होंने आस–पास के राज्यों में शरण ली है। 8 गाँवों में, सुसमाचार प्रचार सभाएँ आयोजित की गईं। 13 परिवारों ने हमें ऐसी सभाओं को फिर से आयोजित करने का निमंत्रण दिया है। प्रार्थनाओं के उत्तर में लक्ष्मी देवी को जमे हुए कंधे की समस्या से चंगाई मिली।

प्रार्थना : गोकुलराम, जानीलाल, मनीराम, सूर्य प्रकाश और लक्ष्मीराम पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो कासाबाद क्षेत्र में सुसमाचार का विरोध करते हैं कि वे हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चखें। देराज और रामगली के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे साक्षी का जीवन जीएँ। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बावदीप को स्पर्श करें जो रवोरा क्षेत्र में चलाई जा रही आराधना सेवा का विरोध करता है ताकि वह परमेश्वर के प्रेम का स्वाद चख सके। नए विश्वासियों संधरमनी, सुनेना और दीपक के लिए कि वे हमारे प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में आगे बढ़ें।

3 जुलाई बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री करुणाकरन के.

श्रीमती राजकुमारी नागोमी विक्टर

रिकोंगपिओ : शंकर ए. एवं दुर्गा देवी रूथ

स्तुति : 4 स्थानों पर शुभ समाचार का प्रचार किया गया और लगभग 600 लोगों ने सुसमाचार सुना। आत्माओं को जीतने का प्रशिक्षण कार्यक्रम, महिला विशेष सभा, युवा शिविर आदि के सफल संचालन के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। प्रभु ने विजय प्रसाद और संगीता के परिवार को संतान का आशीर्वाद दिया। बहारी और रेकोंगपेओ गाँव के भटके हुए विश्वासीगण विश्वास फिर से वापस आकर आराधना में भाग लेना शुरू कर दिया है।

प्रार्थना : मनसुभा, सुनीता, उषा, बाबागासी, बलवीर, रमेश, मीरा, ममता, शशिकुमार और पूनम के लिए प्रार्थना करें जो मसीह यीशु में अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति की तैयारी कर रहे हैं, वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें। मधुमेह, थायरॉयड, गुर्दे की पथरी आदि सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रामबियारी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सांगो क्षेत्र में नियोजित नई आराधना समूह को बिना किसी परेशानी या विरोध के शुरू किया जा सके।

पंजाब

अहमदगढ़ मंडी : कृपा रक्षणा एवं शकिना

स्तुति : कलीसिया का एक अच्छे विश्वासी मेजर को परमेश्वर ने एक बड़ी वाहन दुर्घटना से सुरक्षित बचाया। चर्च में आकर प्रार्थना करने के बाद जीतेन्द्र सिंह को माइग्रेन से चंगाई मिली है। परमेश्वर ने इस भीषण गर्मी से हमारे विश्वासियों और मिशनरियों को सुरक्षा प्रदान किया है।

प्रार्थना : थालिर, जंडाली और रोगिटार गाँवों में नियोजित बच्चों के शिविर की आशीष के लिए प्रार्थना करें। सुसमाचार के प्रचार के लिए किए गए प्रयासों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि प्रभु रीना, जेसी, गुरप्रीत और अंजू को संतान का आशीर्वाद दें। प्रार्थना करें कि अत्यधिक मूत्र स्राव से पीड़ित हमारे मिशनरी को चंगाई मिले।

मध्यस्थता की प्रार्थना हेतु निवेदन!

महाराष्ट्र के धड़गांव क्षेत्र के एक अच्छे विश्वासी कृष्णन चर्च से जुड़ी गतिविधियों में सबसे आगे रहता था। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। एक दिन जब वह अपने गाँव से अक्कलकुवा यात्रियों को ले जा रहा था, तो ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उनकी ऑटो में सवार एक महिला की मौत हो गई। देखने वालों ने इस घटना का कारण कृष्ण को ठहराया और उस महिला की मौत के लिए उसे दोषी ठहराकर उसकी पिटाई की। गाँव की समिति बुलाई गई और उन्होंने उस पर 4 लाख का जुर्माना लगाया। पुलिस ने इस मामले में हस्तक्षेप करने की जहमत नहीं उठाई। हम इस कठिन परिस्थिति में कृष्णन के लिए आपकी प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं।

4 जुलाई
गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लौडसी डाइल्स अरुलमनी
श्री सत्य प्रकाश
श्रीमती अमोजिता बिनीत प्रसाद

बुधलाडा : हामोम नाबा एवं दुलंती रियांग

स्तुति : प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप तीन महीने तक कोमा में रहा विक्की के स्वास्थ्य में क्रमिक सुधार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। लाला कलां, बागधुर पुर और दीप्ति गाँव में पहली बार जीज़स फिल्म दिखाई गई। धिंशा गाँव में पहली बार सुसमाचार प्रचार किया गया। मुनक गाँव की डिंपल को दुष्टात्माओं के बन्धन से छुटकारा मिली।

प्रार्थना : नरसिंह के लिए प्रार्थना करें जो मसीह में अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हो रहा है, दुर्घटना में पैर की चोट से पीड़ित है, उसे ठीक किया जाना है और उसके पूरे परिवार के लोग मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। जसवीर, सिमलू, अर्शदीप, बाबी, सरीपीजित, हरमन और नीलू के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हो रहे हैं। अहमदपुर मिशन क्षेत्र में पहली बार जीज़स फिल्म स्क्रीनिंग के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

लेहरागागा : इसाहक एबेल एवं अन्ना रोज़लिन

स्तुति : राजपूत समुदाय के विश्वासियों के लिए एक आत्मा विजेता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। जगदापुर के संदीप को प्रार्थना के माध्यम से निमोनिया से चंगाई मिली। लेहरागागा गाँव की सीमा देवी को दामाद की मृत्यु के कारण, उस पर लगाए गए झूठे आरोपों से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि गावूदन गाँव में आराधना सभा शुरू हो। जगदपुर और जुवेर गाँवों में बिना किसी परेशानी के सफलतापुर्वक जीज़स फिल्म दिखाई जाए। प्रार्थना करें कि लेहरागागा गाँव की नई संगठित सुसमाचार प्रचार दल आस–पास के इलाकों में प्रभावी ढंग से सेवा कर सके। नशे के आदी लोगों के बीच की गई सेवा उन्हें उनके बंधन से मुक्त करने और उनके पुनर्वास में सफल हो।

मनसा : देबब्रतो बिश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति : 12 व्यक्तियों ने यीशु में अपने विश्वास का अंगीकार किया। 7 परिवारों ने विश्वास को पुनः अपनाया और आराधना में भाग लिया। परमेश्वर ने बलवीर सिंह, बबली सिंह, सुकदीप सिंह और बलराज सिंह को अपने लिए घर खरीदने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : मनसा उपक्षेत्र के पढ़ालबस्ती, बिलसिया और पोहा गाँवों में आयोजित किए जाने वाले सुसमाचार उत्सव की सफलता के लिए प्रार्थना करें। चर्च में नए आ रहे 8 परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु को गहराई से जानें और मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। स्थानीय प्रचारकों के अच्छे स्वास्थ्य और उनके मिशन क्षेत्रों में सेवा करने के लिए उनकी निष्ठापूर्ण प्रतिबद्धता के लिए प्रार्थना करें।

5 जुलाई शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती पुष्पांजलि ध्रुबाराज
श्रीमती नीला हसदा मुर्मू
श्रीमती मेडन्की श्रीनिवास राव
श्रीमती देवी रानी जयबीर सिंह
श्रीमती सुबिला विनु, श्री. शिवशंकर
श्रीमती किरण देवी अखिलेश
श्रीमती दिगुमर्थी प्रशांति अनिल
श्रीमती प्रमिला सिंह लिम्मा
सुश्री हन्ना सिंह

संगरूर :

गिम्भल दिलीप एवं बिरारी रीताबेन

स्तुति : लगभग 70 लोगों ने लघु फिल्म 'गुडन्यूज फॉर यू' की स्क्रीनिंग देखी। कंसाली गाँव के कई लोगों ने उत्सुकता पुर्वक से सुसमाचार सुना। हरपन कौर, पाल कौर और नसीप कौर जो हाल ही में विश्वास में आई हैं, प्रभु ने उन्हें विश्वास में बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सोमवीर परिवार जो तलाक के लिए अर्जी दाखिल करने की कगार पर था, प्रार्थनाओं के उत्तर में सुलह हो गई है और वे एक साथ रहने लगे हैं।

प्रार्थना : हमारे स्थानीय प्रचारक सोनी मसीह और उनकी पत्नी गुरप्रीत पर ईश्वर के उपचारात्मक हाथ के लिए प्रार्थना करें, जो बीमारी के कारण अपना सेवकाई चलाने में असमर्थ हैं। सोमारानी के पति के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें, जिसने सोमारानी और उसके तीन बेटों को रोकता है, जो उत्सुकता से चर्च की गतिविधियों में भाग लेते हैं। प्रार्थना कों कि विश्वासियों के बच्चों को योग्य मसीही जीवन साथी मिल सके। ईश्वर के राज्य के विस्तार के लिए 10 अलग–अलग स्थानों पर आराधना केंद्र स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

उत्तराखंड

दिनेशपुर :

शिवकुमार सी. एवं सुशीला मारक

स्तुति : हमारे विश्वासी परमजीत कौर के बेटे अजीत के मसीही विवाह समारोह की सफलता के लिए परमेश्वर की महिमा करें। गुरप्रीत कौर के पति जो नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, चर्च आकर बहुत प्रार्थना की और प्रभु ने उन्हें नौकरी पाने में सहायता प्रदान की।

प्रार्थना : थाईनुम्बर गाँव के हमारे विश्वासी अजय के लिए प्रार्थना करें जो रोमानिया की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की प्रतीक्षा कर रहा है। डिमरी ब्लॉक के ग्राम प्रधान को दुष्टात्मा से छुटकारा प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि अमरकाल को हाथ के फ्रैक्चर से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि प्रभु हर्षित कारू को संतान की आशीष दें, जिसकी शादी को 3 साल हो चुके हैं।

6 जुलाई
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती माबेल फ्लोरेंस सैमुअल
श्रीमती टेकम संगीता सुनील कुमार
श्रीमती सलोमी हंसदा लुबिन

नान्नकमता :

रामास्वामी एवं एंथोनी राजम

स्तुति : सुंदर नगर के सरेंद्र को कलीसिया की प्रार्थना के फलस्वरूप उसी समय रिहा कर दिया गया जब पुलिस ने उसको झूठे मामले में गिरफ्तार किया था। बंगाली कॉलोनी के सरनसीथ के स्तन ट्यूमर का निदान गैर–कैंसर के रूप में किया गया। पिपलिया गाँव के सोनू का परिवार सुसमाचार के प्रति उत्सुक है।

प्रार्थना : हरदलपुर गाँव की सन्नी को आँख की बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि सोनू के परिवार को रोजगार के लिए विदेश गए सोनू की खबर मिले; और वह सकुशल वापस आए। गुरप्रीत कौर को गुर्दे की संक्रमण से चंगाई मिले। हरसथपुर की प्रीति को जिसे मिर्गी के कारण पति ने छोड़ दिया है, चंगाई मिले। आगामी वीबीएस कार्यक्रमों की आशीष के लिए प्रार्थना करें।

बाज़पुर :

क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्राबेन

स्तुति : हमारे मिशनरी परिवार पर परमेश्वर की चमत्कारी सुरक्षा के लिए, जब उनकी बस पहाड़ी क्षेत्र में जा रही थी, बारिश और दृश्यता की कमी के कारण पलट गई और गिर गई थी, वे मामूली चोटों के साथ बच गए। मोनिका को एनीमिया से चंगई मिली। संगीता परिवार को अपनी जमीन पर खोदे गए ट्यूबवेल में पानी नहीं मिला, तब उसने पानी के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की। जब उन्होंने प्रार्थना की तो परमेश्वर ने संगीता के सूखे ट्यूबवेल को पानी से आशीर्वाद दिया।

प्रार्थना : विरोध के बावजूद कोलाबनवारी गाँव में सुसामचार सेवा के निमित द्वार खुले। प्रार्थना करें कि बाज़पुर क्षेत्र में सेवकाई के लिए समर्पित स्थानीय प्रचारक आगे आएँ। सयाना को पेट के कैंसर से और सुतम को लीवर कैंसर से चंगाई मिले। गाँवों में बच्चों को बाइबल की सच्चाई की निर्बाध शिक्षा जारी रहे। प्रार्थना करें कि माता–पिता बच्चों को बिना किसी शंका के अंग्रेजी सीखने के लिए भेजें।

हरियाणा

तोशम : अजय बार्डे

स्तुति : दो व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। हमारे 3 विश्वासियों ने बरवाला क्षेत्र में आयोजित आत्मा विजेता प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। बालावास गाँव के लोगों में सुसमाचार सुनने में उत्सुकता दिखाई। चर्च के प्राचीन बिनसीलाल के बेटे प्रियांशी ने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि चर्च के प्राचीन पवन के परिवार पर प्रभु की कृपा बनी रहे, जो अपनी माँ के निधन के बाद विभिन्न कष्टों से गुजर रहे हैं। प्रार्थना करें कि बालावास गाँव में रविवार की आराधना सेवा शुरू हो। नियोजित महिला सम्मेलन, युवा सम्मेलन और बच्चों का शिविर सफल और फलदायी हो।

7 जुलाई
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेन अमुथा इराइपिचाई
श्री चित्तारंजन तांडी, श्री. दीपरत्ना
श्रीमती दीपिका रानी पानी

कलांवाली :
विजयकुमार आर एवं जेबाला एस.

स्तुति : अमरदीप कौर और पवनदीप सिंह को दुष्टात्मा के कब्जे से मुक्ति मिली। क्षय रोग से पीड़ित जगदीश कुमार को चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। ऋण न चुका पाने के कारण बैंक ने संपत्ति अपने नाम कर ली, परन्तु पापी बेन की प्रार्थना के कारण उनके पति के खिलाफ कार्रवाई स्थगित कर दी गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कि जेगाधी को उसके पिता की मृत्यु से हुई शोक से ईश्वरीय सांत्वना मिले। प्राथना करें कि विश्वासियों में देखी जाने वाली नशे और व्यभिचार की बुरी आदत समाप्त हो। नियोजित महिला सम्मेलन और प्रशिक्षण सम्मेलन का सफलतापूर्वक संचालन हो।

जीवन नगर : एलियाकिम जेना एवं दीपिका

स्तुति : जब दिलीप नगर का मनदीप अपनी गाड़ी में यात्रियों को ले जा रहा था तब गाड़ी का एक्सल बार टूट गया, तब ईश्वर ने अपनी अनुग्रह सुरक्षित रखा। 2 व्यक्तियों ने मसीह में अपना विश्वास को स्वीकार किया और विश्वासियों की झुण्ड में शामिल हो गए। 12 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवा प्रभावी ढंग से संचालित की गई। बच्चों और बड़ों ने उत्साहपूर्वक शास्त्रों को कंठस्थ किया और उनका पाठ किया।

प्रार्थना : उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से विश्वास की स्वीकारोक्ति के लिए तैयार थे, परन्तु कई अन्य कार्यों के कारण ऐसा नहीं कर पाए, वे फिर से मसीह में अपने विश्वास की स्वीकारोक्ति के लिए प्रेरित हों। लम्बी गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो नौकरी की कमी के कारण निराश हैं, उन्हें आत्मा में प्रोत्साहन मिले और परमेयवर उनके लिए प्रावधान ढूँढ़े। सुखविंदर सिंह के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो अपने माता–पिता के प्रति विद्रोही है और गाँव में घूमता रहता है। भविष्य में आयोजित होने वाले सत्संग कार्यक्रम के आध्यात्मिक आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करें।

राजस्थान

हनुमानगढ़ :
मुधावथु राजू नाइक एवं भुक्या झाँसी बाई

स्तुति : परिवार की प्रार्थना के फलरूवरूप दुबई में झूठे मामले में गिरफ्तार किए गए समगर सिंगू को रिहाई मिल गई और वे सुरक्षित घर वापस आ गए। परमेश्वर ने प्रार्थना के फलस्वरूप गोलविंध सिंह को नौकरी मिलने में सहायता की। संतोष सिंह द्वारा खरीदे गए नए घर के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। परमेश्वर ने आंसुओं के साथ की गई प्रार्थना के फलस्वरूप नेमुनर को एक बच्चे की आशीष दी।

प्रार्थना : आशीष के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत के कारण अपने परिवार और गाँव के लिए बहुत परेशानी का कारण बना हुआ है। प्रार्थना करें कि प्रेम सिंह के परिवार में शांति बनी रहे जो बहुत से झगड़ों से घिरा हुआ है। जक्कर सिंह के लिए प्रार्थना करें जो कभी सेवकाई में शामिल होने के लिए उत्सुक था परन्तु अब निराशा में है, वह प्रभु की सेवा में वापस आए।

8 जुलाई सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री ब्राइट जेयाकुमार सी.
श्री बिदुश कुमार नायक
श्रीमती प्रभाशिनी पवन कुमार

गंगानगर :

बोदर अमृत बाई एवं सुवेरा मार्था बहन

स्तुति : 55 क्षेत्रों में महिलाओं की विशेष सभाएँ आयोजित की गई। एक परिवहन वाहन से चोरी हुए 22,000 रुपये के स्पेयर पार्ट्स वापस मिला। 16 एस. कॉलोनी में पहली बार आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला में 12 बच्चों ने भाग लिया। 5 एच. और 9 क्यू गाँवों में किए गए द्वितीय चरण की सेवा आशीषमय रही।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जेल में क्षीण रहे रविंदर को अंततः आजादी मिले, पश्चाताप करे और वह एक परिवर्तित जीवन जी सके। रविंदर को अपने बेटे की मृत्यु पर ईश्वरीय सांत्वना मिले, जो गलती से एक कृषि वाहन के पहियों के नीचे चला गया था। प्रार्थना करें कि हमारे मिशनरी के बेटे को पैरामेडिकल कोर्स के लिए दिल्ली में सीट मिले।

दिल्ली

पटपड़गंज :

जॉन डेविडसन एवं एस्तेर जी.

स्तुति : रवि, काला, गीता जो अपने विश्वास से पीछे हट गए थे, वे फिर से विश्वास में विश्वास में वापस आए। अपने पति की मृत्यु के बाद, सुशीला विश्वास से पीछे हट गई थी, पश्चाताप करके परमेश्वर के पास वापस आ गई। बिगू, तान्या और भूमिका को हमारे झाँसी चिल्ड्रन होम में प्रवेश मिला ताकि वे अपनी शिक्षा में कुछ समय के लिए रुके रहने के बाद अपनी पढ़ाई फिर से आरम्भ कर सकें। प्रेम के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो शराब की लत छोड़ने के बाद अपनी पत्नी हेप्सी के साथ फिर से मिल गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर ईसा – सिमरन और रवि – एलिजाबेथ परिवार को संतान की आशीष दें जो संतान की उम्मीद में हैं। स्वप्ना और भावना को दुष्ट आत्मा के कब्जे से छुअकारा मिले। पिछले एक साल से बिस्तर पर पड़ी मलिगा को ईश्वरीय चंगाई मिले। मसीही विश्वासी रानी की मृत्यु के कारण, उसके 5 वर्षीय बच्चे की कस्टडी का अधिकार उसके अविश्वासी पति के पास है, जबकि रानी के विश्वासी पिता बच्चे का पालन–पोषण मसीही तरीके से करना चाहते हैं। इस स्थिति पर प्रभु के हस्तक्षेप के लिए प्रार्थना करें।

9 जुलाई
मंगलवार

उत्तर प्रदेश

घाटमपुर :

जंगखोलुन तोथांग एवं न्गाई थांचिंग हौजेल

स्तुति : 3 व्यक्तियों ने हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चखा है और मसीह के पंथ में शामिल हो गए। पाल गोविंद के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो अपने ईसाई धर्म के लिए उत्पीड़न के कारण बुरी तरह से प्रभावित चर्च के प्राचीन थे, फिर से खुद को सेवकाई में शामिल करना शुरू कर दिया है। व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार द्वारा 45 व्यक्तियों को सुसमाचार सुनाया गया और उनके बीच 21 नए नियम वितरित किए गए। हमारे मिशनरी के बेटे जो तेज बुखार के कारण कोमा में चला गया था, प्रार्थनाओं के उत्तर में अस्पताल में भर्ती होने के बाद चंगा हो गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि उत्पीड़न के कारण बंद घाटमपुर चर्च को फिर से आराधना सेवाओं के लिए खोला जाए। अपने प्यारे बेटे की मौत पर पसुंध लाल के परिवार को सांत्वना मिले। प्रार्थना करें कि रमेश को नौकरी मिले ताकि वह अपने परिवार को गरीबी से उबार सके। हमारे स्थानीय प्रचारक गीता के पिता राम चरण को चंगाई मिले और वह मसीह यीशु को स्वीकार करें।

बस्ती :

श्रीनिवासन जे. एवं शीबा जी.

स्तुति : तीन व्यक्तियों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। बंगार्ट गाँव के चर्च में दो साल तक बंद रहने के बाद आयोजित सामूहिक प्रार्थना सभा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें क्योंकि आराधना के लिए निरंतर विरोध किया गया था। बच्चों के लिए बाइबिल की कक्षाएं आयोजित की गईं। रामनगर की साधना के लिए, जिसको बिना सर्जरी के गर्भाशय की ट्यूमर से चंगाई मिली। हमारे मिशनरी की बेटी ने CMC वेल्लोर द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है।

प्रार्थना : कंसियम की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो लगातार एसिड रिफ्लक्स की समस्या से पीड़ित है। तीसात गाँव की एक विश्वासिनी रेखा के लिए प्रार्थना करें जो इस बात से दुखी है कि डॉक्टरों ने उसके 5 महीने के गर्भ को गिराने का फैसला किया है, जिसे किडनी की गंभीर बीमारी है, ताकि वह हमारे प्रभु की ओर से चंगाई और शांतिदायक स्पर्श का अनुभव कर सके। गाँव के उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत् में हैं, ताकि उन्हें छुटकारा मिले।

10 जुलाई
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती देविका किरुबा कुल्लू
श्रीमती बिनीता टोप्पो पौलुस
श्री मल्ला विद्यासागर
श्री जगमोहन सिंह

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान :

राजदुरई एन. एवं प्रेमा

स्तुति : उत्तर प्रदेश राज्य में परमेश्वर द्वारा निर्धारित चुनाव परिणामों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। मिशन क्षेत्रों मिशनरी कार्य के लिए प्रशिक्षित किए जा रहे 23 मिशनरियों के दो समूहों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। हमारे मिशनरी सांताकुमार द्वारा मसीह की ओर ले जाए जा रहे पोखरायाँ गाँव के नट समुदाय के युवाओं के लिए और क्षेत्र में सेवकाई में इस्तेमाल किए जा रहे युवाओं के लिए प्रभु की स्तुति करें। नट समुदाय के 'अछूत' के रूप में वर्गीकृत बच्चों ने हमारी सी.डी.सी. परियोजना के माध्यम से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर ली है और अब उन्हें उच्च अध्ययन के लिए कॉलेज में दाखिला दिया जा रहा है। बंद बहुआ चर्च से संबंधित मामले की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश ने हमारे स्थानीय प्रचारक के पक्ष में बात की है जिससे हमें इस मामले में उम्मीद की किरण दिख रही है। चर्च के खिलाफ मामला उठाने वाली विरोधी मधु शुक्ला को अदालत ने चेतावनी दी गई है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नट समुदाय के सभी बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो। बहुआ चर्च के खिलाफ मामले का न्यायिक निष्कर्ष निकले और चर्च को फिर से चर्च सेवाओं के लिए खोला जा सके। हमारे मिशनरियों को तैयार करने के लिए, मिशन के क्षेत्रों में प्रतिबद्धता और उत्साह के साथ काम करने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पूरे उत्तर प्रदेश में सुसमाचार के द्वार खुले। प्रार्थना करें कि मिशन क्षेत्रों में युवा शिविरों में भाग लेने वाले कई युवाएँ मिशनरी कार्य के लिए स्वयं को समर्पित करें। उन लोगों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों के बीच संघर्ष का कारण बनते हैं।

मध्य प्रदेश

चिरिया :

महेंद्रन एवं पुष्पम

स्तुति : 6 स्थानों पर पूरी रात की उपवास प्रार्थना आयोजित की गई। बजरगुडा गाँव में आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला में कई गैर–मसीही बच्चों ने भाग लिया। जंडिया गाँव में भजन कार्यक्रम और सुसमाचार सभा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। गुडुवाबानी गाँव के संतराम जो कैंसर से पीड़ित थे, 3 महीने तक नियमित रूप से चर्च आते और प्रार्थना करते थे, परन्तु बाद में उनका दुखद निधन हो गया। हालाँकि, उनके परिवार ने यह सुनिश्चित किया कि गाँव में कोई भी अविश्वास को लेकर कोई विवाद न करे।

प्रार्थना : बिपिल्या गाँव के कालू को मुँह के कैंसर से चंगाई मिले। चलने में असमर्थ 7 वर्षीय ज्येति को चंगाई मिले। सेमलकोट क्षेत्र में सुसमाचार का विरोध करने वाले मोरसिया भाइयों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बिलगेट गाँव में चर्च का निर्माण सफलतापूर्वक हो सके। हमारे स्थानीय प्रचारक की पत्नी ममता वकोला को गर्भाशय की बीमारी से चंगाई मिले।

11 जुलाई
गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्री पौल संपत टी.

डबरा :

सतीकांत परिछा एवं सगारिका प्रधान

स्तुति : हमारे चर्च एल्डर मनोज के लिए जो बहुत ही सार्थक ढंग से आराधना सेवाओं का संचालन करते हैं। सुरेंद्र हसीना परिवार हाल ही में चर्च में आना शुरू किया है। परमेश्वर ने हमें पिटरवर उप मिशन क्षेत्र में एक रात्रि सुसमाचार सभा आयोजित करने में सक्षम बनाया। प्रभु ने हमें कोलकाता में क्षेत्रीय मिशन सभा में भाग लेने और आशीर्वाद प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : प्रेम नगर में चर्च का निर्माण कार्य जो रुका हुआ है, प्रार्थना करें कि निर्माण कार्य फिर से शुरू हो सके। प्रभु पिटरवर मिशन उपक्षेत्र में स्थानीय प्रचारक के रूप में सेवा करने के लिए समर्पित लोगों को खड़ा करें। नांगिसराय गाँव के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास में निराश हैं, प्रभु के साथ अपनी संगति में मजबूत हों।

पाल :

वेंकटेश वाड्डार एवं शीबा पी.

स्तुति : 3 गाँवों में 425 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 6 स्थानों पर आयोजित महिला सम्मेलन में 64 महिलाओं ने भाग लिया और आशीषित हुए। पूर्णपाता गाँव की टीना, जो बाँझपन के कारण अपमानित हुई थी, परमेश्वर ने उसे एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। पोलाना गाँव के करमसिंह, जो अचानक बेहोश होकर गिर पड़े थे, विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा होश में आया। करकड़ा गाँव के सरदार के बच्चे को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पूर्णपट्टा गाँव के विश्वासियों को अपनी भूमि के लिए पट्टा प्राप्त हो। बिपरकुंड गाँव की किरण के परिवार के दिव्य सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिसने अपनी बेटी को खो दिया, जो कई वर्षों के इंतजार के बाद पैदा हुई थी। सोलरपडी गाँव का विश्वास से भटका हुआ सुखलाल के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो मसीही धर्म के लिए एक बाधा बना हआ है, वह फिर से प्रभु की ओर लौटे। पसाली गाँव का सुरेश और रुंडा गाँव का अरनसिंह परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें कि वे आपस में मेल–मिलाप और शांति रहें। प्रार्थना करें कि सरमुली गाँव में एक चर्च का निर्माण किया जा सके।

उद्धार हमारे परमेश्वर ही की है!

"मध्य प्रदेश के प्रथम न्यायालय थाना निवासी अरुण नामक युवक को दोपहिया वाहन दुर्घटना में सिर में गंभीर चोटें आईं। शुरुआत में डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत के कारण उसे अस्पताल में भर्ती करने से मना कर दिया। हालांकि, बाद में उसे इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान, विश्वासियों ने उसके लिए हृदय से प्रार्थना की। परमेश्वर की अनुग्रह से अरुण की जान बच गई और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। तब से उसे आध्यात्मिक शांति मिली है और वह नियमित रूप से कलीसिया की आराधना में भाग लेता है।"

12 जुलाई शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जेसियाह हैरिस
श्री कुप्पुस्वामी पी.
श्री बिद्युत कुमार सिंह

धुलकोट/नेपानगर :
गोपीकृष्ण एवं मेनागा एल.

स्तुति : 9 व्यक्तियों ने ज्योति में आकर मसीह में विश्वासी बन गए हैं। सिक्कल्या और तांड्या गाँवों में महिला मिलन और आत्मा विजेता शिविर के सफल संचालन के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। 33 व्यक्तियों ने दो दिवसीय उपवास प्रार्थना सभा में भाग लिया और अपने पड़ोसी गाँवों के लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। रैणी गाँव में एक छोटा प्रार्थना समूह शुरू किया गया है। 48 युवाओं ने युवा शिविर में भाग लिया और प्रभु के लिए एक गवाह के रूप में जीने के लिए अपने अपने जीवन को समर्पित किए।

प्रार्थना : पासोली, तांड्या और सिक्कलिया गाँवों में होने वाली महिला सभाओं की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पालोसर चर्च में होने वाला आत्मा जीतने वाले शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति हो। प्रार्थना करें कि यीशु का जीवन फिल्म सेवा के माध्यम से आत्मा जीतने के लिए मैनुअल जल्द ही जारी किया जा सके। मप्पी गाँव की पल्लूबाई को मिर्गी की बीमारी सेचंगाई मिले।

खालवा :
इसहाक आर. एवं सीता

स्तुति : 8 लोगों ने सार्वजनिक रूप से विश्वास स्वीकारोक्ति कार्यक्रम में प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार किया। 8 गाँवों में आयोजित सुसमाचार उत्सव के माध्यम से कई लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। खालवा चर्च में 3 दिवसीय उपवास प्रार्थना आयोजित की गई जिसमें 40 लोगों ने भाग लिया। बागापुरा, सलियाकोड़ा, बगुवा और रंजिर गाँवों से हमारे सम्पर्क में नए आए लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। कोरकू और ठाकुर जन समूह के लोगों को सुसमाचार सुनाया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हेरडा जिले में एक आराधना केंद्र की स्थापना हो सके। कोरकू और ठाकुर जन समूह के बीच एक फलदायी सेवकाई के लिए प्रार्थना करें। एनीमिया से पीड़ित राजेश, युवराज और ऐश्वर्या के बच्चों की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कोरकू जन समूह के लिए नियोजित महिला सम्मेलन में अधिक से अधिक महिलाएँ भाग लें और आशीष पाएँ।

परमेश्वर का आदर करना और परमेश्वर द्वारा आदर पाना!

झारखंड राज्य के पत्थरगामा क्षेत्र की पूला देवी ने एक बोरवेल खोदने का फैसला लिया और इसके लिए मजदूरों को काम पर लगाया। हालांकि, मजदूरों ने स्थानीय देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पूजा करने की इच्छा जताई ताकि उन्हें पानी के स्रोत खोजने में कोई समस्या न हो। परन्तु विश्वासी होने के कारण पूला देवी इस बात पर सहमत नहीं हुईं और इसके बजाय उन्होंने परमेश्वर का वचन पढ़ी और प्रभुओं के प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना की और ट्यूबवेल खोदने की प्रक्रिया शुरू की। परमेश्वर ने उसको सम्मानित करने के लिए पूला देवी के कार्यों का सम्मान किया और बोरवेल में बहुत कम गहराई पर भी पानी का एक अच्छा स्रोत निकला। हर कोई आश्चर्यचकित था। हमारे परमेश्वर के सबसे पवित्र नाम की महिमा हुई।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती बेनिल्डा दयासिंह

गुना :

सतीश टी. एवं शर्मिला ए.

स्तुति : जोडू और सरथबाई को 3 गर्भपात के बाद एक बच्चे का आशीर्वाद मिला। पिपलीकेड़ी चर्च के प्राचीन को प्रार्थना के द्वारा गंभीर उल्टी और दस्त से चंगाई मिली। जब दयासिंह को परमेश्वर ने प्रार्थना का तेल हाथ में लगाने के द्वारा जहरीले बिच्छू के डंक से चंगाई दी। सतबेरी और डाकटपुलिया गाँव के लोगों द्वारा सुसमाचार सुनने के लिए दिखाई गई उत्सुकता के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। पाइदास को शराब की लत से छुटकारा मिली और अब वह चर्च की आराधनाओं में भाग ले रहा है। मोहनपुर कलीसिया में विभिन्न समस्याओं के बावजूद एक पानी का पंप लगाया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नए विश्वासीगण अपने विश्वास में दृढ़ रहें। परमेश्वर देवेन्द्र बरेला को चलने में असमर्थता से, रंजना और कचपटेल को क्षय रोग से और धीनाबाई को दोनों हाथों की कमजोरी से चंगाई प्रदान करे। बरेला समुदाय की महिलाओं के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो शराब बनाकर और बेचकर अपनी आजीविका चलाती हैं। प्रार्थना करें कि आगामी सार्वजनिक विश्वास की स्वीकारोक्ति सभा बिना किसी परेशानी के आयोजित हो।

बिहार

पूर्वी गंगा क्षेत्र :

बाबू पुष्पाराज एवं रेचल जॉयस

स्तुति : रानीकंज क्षेत्र के 4 और सत्तापुर क्षेत्र के 7 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। रानीकंज के नित्यानंद को एक बड़ी दुर्घटना से ईश्वरीय सुरक्षा मिला। करजन और बबीदा गाँवों में नए लोगों से संपर्क स्थापित किया गया। माजवा गाँव की रेणुदेवी को दुष्ट आत्मा के बन्धन से छुटकारा मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कस्बा क्षेत्र के समानाध ऋषिदेव, रंजूदेवी, अमरजीत, अजय और ज्योति कुमारी को मसीह यीशु में उद्धारक विश्वास की ओर ले जाया जा सके। सिम्मा क्षेत्र में नव स्थापित आराधना केंद्र में और अधिक से अधिक आराधको के शामिल होने के लिए प्रार्थना करें। सत्तापुर गाँव की वलसर देवी के तीन छोटे बच्चों के चंगाई और भविष्य के लिए प्रार्थना करें जो फेफड़ों के कैंसर के चौथे चरण से जूझ रही हैं। प्रार्थना करें कि सत्तापुर क्षेत्र के पुरानी गाँव के विश्वासियों के बीच शांति स्थापित हो, जो संघर्ष से घिरे हुए हैं।

14 जुलाई रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री बेनहर वाई.
श्रीमती जिक्की एडवर्ड

मुरलीगंज :

जॉन एम. (सेवानिवृत्त) एवं सेलेना जॉयस; डेविड

स्तुति : दामासैन गाँव की पोचुदेवी और पोचनापुर गाँव के नारायण के लिए जो प्रार्थना में प्रभु पर निर्भर होने के कारण अपने घर बनाने में सक्षम हुआ। सबिदाबरनी और माकेश आराधना केंद्रों में बाइबल अध्ययन कार्यक्रम सावधानीपूर्वक आयोजित की गईं। कई वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु ने रंजन कुमारी को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। दामासैन और बहनापुर मण्डलियों में प्रभावी सेवकाई के लिए स्थापित नए संपर्कों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : मीनादेवी और किरणदेवी के लिए प्रार्थना करें जो आध्यात्मिक रूप से विश्वास में निराश हैं, ताकि वे प्रभु में मजबूत हो और अपने हृदयों में पुनः जागृति का अनुभव कर सकें। कुछ विश्वासियों के निर्माणाधीन घरों का निर्माण कार्य मानसून के मौसम की शुरुआत से पहले पूरा हाने के लिए प्रार्थना करें। इस मिशन क्षेत्र में कार्यभार संभालने वाले नए मिशनरी डेविड के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें और सेवकाई में पैर जमाने के लिए स्थानीय भाषा सीख सकें।

छातापुर :

के. रवि एवं सुधारानी

स्तुति : हरियारा गाँव के 7 लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। आरती देवी के सुरक्षित प्रसव के लिए परमेश्वर की स्तुति करें। गुलसन कुमारी को पेट के गंभीर दर्द से मुक्ति मिली। बाबूलाल सादा का अपेंडिक्स की सुरक्षित ऑपरेशन किया गया। पापड़िया और करजैन गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुला।

प्रार्थना : हरियारा गाँव में आराधना को लेकर हो रहे विरोध समाप्त होने के लिए प्रार्थना करें। अरविंद के परिवार के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो लिए जो मसीही धर्म का विरोध करते हैं, उन्हें हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चखने का अवसर प्राप्त हो। रमेश साड़ा को शराब की लत से छुटकारा मिले। पुरौनी गाँव के विश्वासियों को मन और आत्मा की एकता से प्रभु की आराधना करने में आ रही बाधाओं से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि विश्वासीगण झूठी शिक्षाओं को पहचान सकें। विश्वासियों और कलीसिया की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पिछड़े मुसाहर समुदाय से क्षय रोग की बीमारी का उन्मूलन हो। हमारे मिशनरी की पत्नी सुधारानी की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

15 जुलाई सोमवार

जन्मदिन मुबारक

**श्रीमती कैरोलिन रानी विलियम,
श्री. जितेंद्र दिगल
श्री पड़वी सोमालिया मनसुभाई
श्रीमती सुगुना अरुल असीर,
श्री. वाल्वी नेताजी दादू
श्रीमती राउत आशा कोंकणी संपत**

मधेपुरा : जीवानंदन एम. एवं जोसेफिन शीबा

स्तुति : सुनील पासवान का पूरा परिवार मसीह के झुंड में शामिल हुआ। 2016 में एक विश्वासी देव नारायणन पर लगाए गए झूठे मामले का न्यायिक फैसला आया और नारायण को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। परमेश्वर ने प्रिया देवी को जमीन खरीदने में मदद की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पिरिनजर ऋषिदेव अपनी जमीन का पंजीकरण का सके। चलने में असमर्थ 3 वर्षीय मनीष कुमार की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सोनकी देवी को कर्ज से मुक्ति मिले। संथिनी देवी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि आगामी सुसमाचार प्रचार सभाओं और महिलाओं की सभाओं का सफलतापूर्वक संचालन हो सके।

झारखण्ड

पत्थरगामा :

कृष्ण कुमार एवं शांति लाल

स्तुति : पंकज रवि और सोनू कुमार का विवाह मसीही रीति के अनुसार संपन्न हुई। 35 युवाओं ने युवा रिट्रीट में भाग लिया और आशीषित हुए। परमेश्वर ने पाउलो देवी की जमीन पर बने बोरवेल को आशीर्वाद दिया, जिससे अच्छी जल आपूर्ति हुई। मसीही धर्म के उत्पीड़क नारायण रवि को चर्च में विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा गंभीर बीमारी से चंगाई मिली। चार लोगों ने मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार किया और विश्वासियों के समूह में शामिल हो गए।

प्रार्थना : सांबा देवी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मधुमेह और गुर्दे की गंभीर बीमारी के कारण चांडीकोला अस्पताल में भर्ती हैं। प्रार्थना करें कि हमारे छात्रावास की बच्ची सलोमी कुमारी को गले की ट्यूमर से चंगाई मिले। परमेश्वर पूनम देवी को संतान सुख प्रदान करे। प्रार्थनाओं के कारण गुल्टन रवि को मानसिक अवसाद से छुटकारा मिला प्रार्थना करें कि उनका परिवार यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करे।

प्रभु अथाह महान कार्य करता है

झारखंड के लोकी गाँव का निवासी सुंदर अपने परिवार के साथ काम के लिए पंजाब गया था। वहाँ रहते हुए वह रास्ता भूल गया और इधर–उधर भटकता रहा। उसकी पत्नी लोकी ने गाँव वालों से अपने पति के लिए प्रार्थना करने को कहा। उसके परिवार द्वारा एक महीने तक उसको खोजने के प्रयासों के बावजूद, सुंदर नहीं मिला और अंततः उसकी पत्नी झारखंड में अपने गृहनगर लौट आई। हालाँकि, झारखंड से प्रार्थनाएँ बिना रुके जारी रहीं। तीन साल बाद, सभी को आश्चर्य हुआ जब सुंदर पूरी तरह स्वस्थ और अच्छे मन की स्थिति में घर लौट आया। परमेश्वर के इस चमत्कार के लिए आभार व्यक्त करते हुए, उसके परिवार ने एक बकरा दान में चढ़ाया और कलीसिया को 6000 रुपये दान किए।

16 जुलाई
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती विनोदिनी जॉनसन
श्री बरनबास ए.
श्रीमती सुनंदा बेली येसु प्रकाश
श्रीमती कल्पना चौधरी अनिलबाई

बरहरवा :मल्ला विद्यासागर एवं दीपिका पानी

स्तुति : इस भीषण गर्मी के दौरान हमारे मिशनरियों की रक्षा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। मसीही विश्वास के कारण सामाजिक प्रत्यर्पण का सामना करने वाली उच्च जाति की उषा गुप्ता ने अपने जीवन की अच्छे स्वभाव के कारण उसने अपने लोगों के सम्बन्धों में विजय प्राप्त की। हमारे दो विश्वासियों ने मसीहीं रीति–रिवाज से विवाह किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि झिकटिया गाँव में चर्च बनाने के लिए पंचायत प्राधिकरण से मंजूरी मिले। रामपुर, श्यामपुर, जामपुर और जलदीगी गाँवों में नियोजित बच्चों की सभा की आशीश के लिए प्रार्थना करें। प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार किए जा रहे 7 व्यक्तियों के लिए प्रार्थनाकरें कि वे साहसी बनें। झिकटिया गाँव के मुखिया को बीमारी से चंगाई मिले। नवविवाहित महिलाएं लक्ष्मी कुमारी और अथोरी कुमारी के लिए प्रार्थना करें कि एक अच्छा मसीही जीवन जिएं और इस तरह वे अपने अपने जीवनसाथी को प्रभु के लिए जीत सकें।

तीनपहाड़ : नहेम्याह एवं अनामिका पेगु

स्तुति : क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय युवा सम्मेलन में कई युवाओं ने भाग लिया और अपने प्रार्थना जीवन में मजबूत हुए। अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला कार्यक्रम तीन स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। अपने पति के कड़े प्रतिरोध के बावजूद कुंदन चर्च में दृढ़ विश्वास के साथ भाग लेती हैं। बबलू ने सफल सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती होने के बाद वास घर लौट आई।

प्रार्थना : पवित्र आत्मा उन 126 लोगों के दिलों को प्रभावित करे, जिन्हें परमेश्वर के वचन पर विश्वास करने के लिए सुसामचार साहित्यों को प्राप्त किए हैं। कुंदन के पति के मनफिराव और कलीसियाई आराधना में भाग लेने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कुंदन मुंडा को नशीली दवाओं की लत से मुक्ति मिले और अपने परिवार का भरण–पोषण करने के लिए कमाई का साधन खोजे। आगामी निर्धारित सेवकाईयों को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रार्थना करें।

चमत्कारों का परमेश्वर!

''धरेंदर टुडू झारखंड के लालमटिया मिशन क्षेत्र के माथेपाथन गाँव का रहने वाला है। उन्हें आघात हुआ था और उन्होंने चिकित्सा उपचार भी करवाया था, परन्तु उसे चंगाई नहीं मिली। तांत्रिकों से सहायता लेने के बावजूद, वह बिना किसी सुधार के नौ महीने तक बिस्तर पर पड़ा रहा। उसके बाद उनका परिवार उसे गाँव में आयोजित दो दिवसीय उपवास प्रार्थना में ले गया। इस चमत्कारी प्रार्थना के दौरान, वे फिर से खड़े होने और चलने लगे। उसके पूरे परिवार ने परमेश्वर की महिमा की और उसने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इस चमत्कार के परिणामस्वरूप, कई स्थानीय लोग सुसमाचार में रुचि रखने लगे हैं। परमेश्वर की महिमा हो।''

17 जुलाई बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

लिट्टीपाड़ा : एबेनेजर सामुएल एवं मेबल फ्लोरेंस

स्तुति : कुमारपरजा गाँव की एक विश्वासी पूर्णिमा के अचानक दौरा पड़ने पर विश्वासियों ने प्रार्थना की, जिससे वह चंगी हो गई। परमेश्वर ने हमारे स्थानीय प्रचारक बरनबास को रक्त वाहिका की सर्जरी से ठीक होने और सुरक्षित घर लौटने में मदद की।

प्रार्थना : स्थानीय प्रचारक माशी टुडू की पत्नी जो किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं, चंगाई मिले। जकोथ, कपको, कुरुम और पंढोला क्षेत्रों में रहने वाले हमारे विश्वासियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जहाँ बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है और जो विकास के मामले में पिछड़े हुए हैं। ईसाई धर्म में विश्वास की आगामी सार्वजनिक स्वीकारोक्ति, युवा सम्मेलन और चर्च एल्डर्स सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए प्रार्थना करें।

भदारिया : चुचाओ एस. एवं कम्पुंग ताबा

स्तुति : 28 लोगों ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। हमारे विश्वासियों के बच्चों ने सफलतापूर्वक अपनी स्कूल और कॉलेज की परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। हाल ही में खरीदे गए ऑडियो एम्पलीफिकेशन सिस्टम की सहायता से 8 स्थानों पर जीज़स फिल्म दिखाई गई।

प्रार्थना : कई स्थानों पर आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला कार्यक्रम में लगभग 1000 बच्चों ने परमेश्वर का वचन सीखा। प्रार्थना करें कि नए स्थानीय प्रचारक डेविड मालतो अपने सेवकाई में वफादार और प्रभावी हों। अत्रोकोपाड़ा, सिकरो, दुतिकोड़ा, पडोर और जापो गाँव में सुसमाचार हेतु प्रार्थना करें। इस क्षेत्र में नियोजित खोजियों की शिविर का सफल संचालन के लिए प्रार्थना करें।

नल्ला : जेराल्ड जेवियर एवं ज्योत्सना

स्तुति : पाकुरिया गाँव के तीन लोगों ने ईसा मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। बेलडांगल गाँव की सुकरमणि को ईश्वर ने गंभीर चोट से बचाया, जब उस पर गाय ने हमला किया था। सच्ची प्रार्थना के कारण रिया सोरेन को शरीर में जलन की समस्या से छुटकारा मिली। अलग होने के कगार पहुँचे पिसोनाथ का परिवार में प्रार्थना के द्वारा मेलमिलाप हुआ।

प्रार्थना : राजीलाल को मसीही विश्वास अपनाने के कारण अपनी पत्नी की आत्महत्या से हुए अपमान से छुटकारा प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि यह घटना इस गाँव में सुसमाचार प्रचार कार्य में बाधा न बने। कालीगोली, काकरदा, काक्यत्री, करिया, जामलाबाड़ा और बनक्कड़ा गाँव में सुसमाचार प्रचार कार्य सफल हो।

18 जुलाई
गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्री बेनहर एम.
श्री अमीरकांत दिगल
श्री अरुलराज एबेनेजर डी.
श्री साम पॉल ए.

सुंदर पहाड़ी एवं चंदाना बाल भवन :
डैनियल धनासिंह एवं सुविला ज्ञानापु

स्तुति : 12 व्यक्तियों ने अपने पुराने पापमय जीवन को त्याग दिया और मसीह में नए जीवन में प्रवेश किया। 8 जोड़ों का विवाह मसीही रीति के अनुसार संपन्न हुआ। मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित प्रेम टुडू को प्रार्थना द्वारा चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। विश्वासियों के विश्वास की प्रार्थना के द्वारा साँप काटने से मरी मोनिका पुनर्जीवित हुई।

प्रार्थना : आगामी चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण सभा, छोटे प्रार्थना सेल के अगुओं की सभा, महिलाओं की विशेष सभा और स्थानीय प्रचारकों के परिवारिक सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करे कि पवित्र आत्मा उन लोगों के हृदयों में काम करे जो कल्याण और जमगुंडुदेवी गाँवों में प्रसारित होने वाले मसीही नाटक को देखेंगे। गाँवों में घुसकर लोगों को धमकाने से उनका सामना हो।

बाड़ीटोला :
मिर्ज्यो किस्कू एवं सेलिना हंसदक

स्तुति : 17 लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए। लोगाई गाँव निवासी सुंदर टुडू अपनी पत्नी के साथ से काम के लिए पंजाब गए थे, लेकिन अचानक गायब हो गए। उनकी पत्नी ने प्रार्थना के लिए अनुरोध किया, क्योंकि उनके पति मानसिक रूप से अस्वस्थ थे और 3 साल तक विश्वास के साथ प्रार्थना करने के बाद स्वस्थ होकर घर लौटे और गवाही दी। टेरेसा हेमरोम जो बाजार जा रही थीं, जंगल के रास्ते में बेहोश हो गईं परन्तु उसे होश आया और उठ खड़ी हुईं तथा वह अपनी यात्रा जारी रखीं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि महिमा और कलीसिया के प्राचीन के पैरों की सुन्नता दूर हो जाए, जो कुछ भी काम नहीं कर पाते हैं। सिलाकी कलीसिया के प्राचीन सिल्वानुस को पैसे के मोह से दूर रहने और अपने पापमय जीवन से पश्चाताप करने के लिए प्रार्थना करें। बोडो किस्कू के लिए प्रार्थना करें कि उनकी बेटी के एक गैर–विश्वासी के साथ भाग जाने के कारण आ रही समस्या के बीच स्वयं को प्रभु में मजबूत करे।

19 जुलाई शुक्रवार

हंसडीहा :

सेंथिल कुमार तिमोथी एवं मुथु सेल्वी

स्तुति : उन 5 लोगों के लिए जिन्होंने मन फिराकर अपने पापमय जीवन को त्याग दिया और स्वयं को पवित्र जीवन के लिए समर्पित किया। चर्च के एक प्राचीन की मृत्यु के कारण, उनकी पत्नी और बच्चे जो अपने विश्वास में पीछे हट गए थे, बहुत बीमार पड़ गए और अंततः प्रार्थना में आशा पाने के लिए चर्च में वापस आए और चंगाई पाए। प्रवासी श्रमिकों ने सुरक्षित अपने गाँव वापस आकर परमेश्वर की महिमा के लिए कलीसिया में धन्यवाद दान चढ़ाया और गवाही दी।

प्रार्थना : कलीसिया के महत्वपूर्ण सदस्यगण मनिकवल, छोटू और सोनाथ के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो पैसे के लालच में आकर अन्य विश्वासियों को भी पाप की ओर ले जा रहे हैं। थेंगा और कोटा क्षेत्रों में सुसमाचार को साझा करने के लिए किए गए प्रयासों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। कोलम क्षेत्र के मिशनरी के लिए प्रार्थना करें जिसका स्थानांतरण सुप्रम क्षेत्र में हो गया है, ताकि वे आध्यात्मिक रूप से फलदायी हों और अधिक से अधिक लोगों को प्रभु के पास ला सकें।

पश्चिम बंगाल

गंगारामपुर :

डिहे एस. एवं चराणी

स्तुति : 11 व्यक्तियों ने अपने पुराने पापमय जीवन से विरत होकर पवित्र जीवन जीने तथा यीशु के शिष्य बनने का संकल्प लिया। 7 गाँवों में जीज़स फिल्म दिखाई गई। चार व्यक्तियों ने हमारे मिशनरियों को सुसामचार सुनाने के लिए अपने घरों में आमंत्रित किया। युवा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। शिविर में भाग लेने वाले लोगों ने अपने जीवन में मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग को रोकने, अपने माता–पिता का सम्मान करने तथा प्रतिदिन ईश्वर का वचन पढ़ने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रार्थना : सनातन हेमरोम की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिसकी पत्नी का निधन हो गया। हमारे स्थानीय प्रचारक चार्ल्स मरांडी और उनकी पत्नी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें, जो लगातार बीमार रहने के कारण सेवा करने में तकलीफ उठाते हैं। 40 घरों की योजनाबद्ध दौरे की सफलता के लिए प्रार्थना करें। लोगों को मसीह की ओर ले जाने के लिए 10 स्थानों पर ज़ीजस फिल्म स्क्रीनिंग की योजना सफल हो। अगामी दो आध्यात्मिक जागृति सभाओं के महान आध्यात्मिक आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करें।

20 जुलाई शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रेजिनी थॉमस
श्री थोटचुइयो शिमरा
श्री एलेक्स प्रभु
श्री रमेश बाबू के.
श्री बाबूजी मुर्मू

बालुरघाट :

किंग्सले लिविंगस्टन आर. एवं डेल्फिन

स्तुति : 3 क्षेत्रों में अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला आयोजित की गई। विश्वासियों का आध्यात्मिक शिविर एवं बाइबल अध्ययन समूह का सफलतापूर्वक संचालित किया गया। एक व्यक्ति को मसीह का उद्धार देने वाले विश्वास की ओर ले जाया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मुल्लागाम, कानपुर और महलपुर क्षेत्रों में नए आराधना समूहों की शुरुआत हो सके। पपरमेश्वर ने सोनपाल गाँव के सैम किस्कू और पारोसिंहसेठ को संतान प्रदान किया। हेप्सी मरांडी, जर्नू मुर्मू, पुलोवानी टुडू, सक्कल हेमरोम, बप्पाई टुडू के उद्धार और कलीसिया में शामिल होने के लिए प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ

घरगोड़ा :

किंग्सली इस्साक जॉनसन एवं मीना आर.

स्तुति : लगभग 150 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। परमेश्वर ने प्रार्थना के फलस्वरूप सुगुना रति की जंगली सुअर के हमले से रक्षा की। मसीही विश्वास के प्रति व्याप्त विरोध के बावजूद भी कई नए लोग आराधना सेवा में शामिल हो रहे हैं। साहू के द्वारा सुसमाचार सुनने वाले कई लोग चर्च में आने लगे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर के राज्य का विस्तार हो और करकोडा, थनमार, लैलुंगा, थारम जैगत, रायगत और करिसिला तालुकों में किए गए सेवकाई के माध्यम से कई आत्माओं को बचाया जाए। तीजराम साहू और गंगाराम साहू के लिए प्रार्थना करें जो स्वयं सेवक के रूप में सेवकाई में शामिल हुए हैं ताकि परमेश्वर उन्हें सामर्थी रूप से इस्तेमाल करे। प्रार्थना करें कि प्रभु के लिए नए गाँवों में सुसमाचार के निमित द्वार खुले और वर्तमान परिदृश्य में व्याप्त विरोध, सांस्कृतिक अवरोध और दबावों समाप्त होने पाए। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो विरोध के कारण अपने विश्वास में पीछे हट गए हैं ताकि वे साहस और पश्चाताप के साथ प्रभु की ओर लौट सकें। नार्थो गुप्ता, भुजी गुप्ता और जयराम साहू के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करते हैं।

21 जुलाई रविवार

जन्मदिन मुबारक

सुश्री पोनमालर ज्ञानाशांती
श्री पौलराज आर.

गुजरात

मोसड़ा :

पॉलराज आर. एवं कोइल पुष्पम

स्तुति : परमेश्वर ने संदीप को उसकी विश्वास की प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप उसके पैतृक गाँव अंडू में अपना घर बनाने में सक्षम बनाया। दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्त हुई नैना बेन स्वयं को परमेश्वर की सेवकाई में लगाती है और बहुत उपयोगी साबित हो रही हैं। हमारे चर्च के प्राचीन, बड़जिया की बेटी शर्मिला के पूर्ण स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें जो गिरने के कारण हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। नवलभाई ने ऋण प्राप्त किया और प्रार्थना के साथ, सूखे के मौसम में अपनी जमीन पर एक ट्यूबवेल खोदा और पानी का एक अच्छा स्रोत मिला।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि डबका गाँव के 3 वर्षीय देवन को बोलने में और 5 वर्षीय श्रेयान देखने में सक्षम हो। जयंतीबाई को दुर्घटना में हुए फ्रैक्चर से पूर्ण चंगाई प्राप्त हो। उन 12 व्यक्तियों के लिए प्रार्थना करें जिन्हें अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार किया जा रहा है।

मनसा :

चेल्लादुरई एवं कनागनेसम

स्तुति : परमेश्वर ने हमारे मिशनरियों और विश्वासियों को चिलचिलाती गर्मी से संरक्षा प्रदान किया। दुर्घटना में हुए चोट के कारण सोने और चलने में असमर्थ नाटूबाई को परमेश्वर ने चंगाई दी। भरतबाई और उनके परिवार बाइबल अध्ययन समूहों और प्रार्थना सभाओं में उत्सुकता से भाग ले रहे हैं। रेवाबाई को अच्छी नौकरी मिली। पूजा और दीप्ति का विवाह समारोह सफलतापुर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर शोभना को संतान प्रदान करे जिसका दो बार गर्भपात हो चुका है। वक्री समुदाय के लोगों और उनके बच्चों को उनकी सामाजिक स्थिति की दासता से छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। किडनी की सर्जरी के बाद अनिता ठाकुर के पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि लक्ष्मी बेन के बेटे के परिवार एक–दूसरे के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकें। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बोरिज समुदाय के लोगों के बीच सुसमाचार के लिए द्वार खोले। प्रार्थना करें कि हमारे मिशनरी के बेटे जॉन को मेडिकल की पढ़ाई के लिए जगह मिलने पाए।

22 जुलाई सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री धर्मराज आर. आर.
श्री एबेनेजर सामुएल ए.

सूरत : माधवरॉय (सेवानिवृत्त) एवं जेबातंगम

स्तुति : लगभग 90 लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। जॉन की बेटी का विवाह सफलतापुर्व सम्पन्न हुई। राजेश के किडनी की सफल सर्जरी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। प्रार्थना करे कि वंशीधर को एक आँख की बीमारी से और राजी को उसके शरीर में जलन से चंगाई मिली।

प्रार्थना : अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने की तैयारी कर रहे लोगों के सामने आने वाली बाधाएँ दूर होने के लिए प्रार्थना करें। सिलेश भाई के परिवार की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिसकी मृत्यु हो गई। महेंद्र को रक्त कैंसर से और नहोमी को यकृत में सूजन से चंगाई मिले। राजति बेन को निम्न रक्तचाप से चंगाई मिले। पवन बेन का पति और उसके परिवार के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो उसके साथ घरेलू दुर्व्यवहार करते हैं।

विजयनगर : विजयकुमार के. एवं सुशीला ए.

स्तुति : 24 लोगों ने यीशु मसीह में अपनी आस्था स्वीकार की और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए। अमरनाथ के परिवार को पिछले 7 वर्षों से दुष्टात्माओं की शक्तियों से मुक्ति मिली है और संजय, स्वप्नबेन और नरेश को पिछले 3 महीनों से लगातार प्रार्थनाओं के कारण बुरी आत्माओं के कब्जे से मिली। कल्पना की सुरक्षित प्रसव के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। गीता बेन जो अचानक बेहोश हो गई थी, प्रार्थना के द्वारा चंगी हो गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सिकारा चर्च का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा हो सके। मालती की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। कल्पना के परिवार में शांति बहाल हो। प्रियंका को पेट दर्द से चंगाई मिले। दुर्जनबाई और कमलाबाई जो पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन में मसीह को स्वीकार करने और अपने परिवारों की बाधाओं को दूर करने के लिए उत्सुक हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर इंदिराबेन के बच्चों को आशीष प्रदान करे।

परमेश्वर विश्वास का आदर करता है!

"झारखंड के लालमटिया क्षेत्र की एक विश्वासिनी सरिता मुर्मू पिछले कई दिनों से पैर की समस्या के कारण पटना के एम्स अस्पताल में इलाज करा रही थीं। डॉक्टरों ने शुरू में सर्जरी की सलाह दी थी, जिसका अनुमानित खर्च करीब 3 लाख रुपये था। संगी विश्वासियों की प्रार्थनाओं के बाद सरिता को उम्मीद थी कि सर्जरी के बिना ही उन्हें चंगाई मिल जाएगी। झारखंड से मिली प्रार्थनाओं के बाद डॉक्टरों ने अब घोषणा की है कि अब सर्जरी की जरूरत नहीं है। सारी महिमा परमेश्वर को मिले!"

23 जुलाई मंगलवार

उमरगम : असीर मोसेस एवं अमिर्धा गोल्डा

स्तुति : लगभग 110 लोगों ने शुभ समाचार सुना। इरोली, पोराव, गुंडर और सुप्परपाड़ा क्षेत्रों में उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं। 5 लोगों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। स्थानीय प्रचार क के साथ दो स्थानों पर योजना सभा आयोजित की गई। हमारे एक विश्वासी का विवाह कार्यक्रम मसीही रीति रिवाज के अनुसार सफलतापुर्व सम्पन्न किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे स्थानीय प्रचारक की 8 वर्षीय बेटी को दुर्घटना में हुई चोट से चंगाई मिले। मानिकपुर गाँव की अनिबाई को गुर्दे की बीमारी से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि सिक्कलवाड़ा और पोरमल गाँव में बिना किसी विरोध के सुसमाचार प्रचार सभाओं का सुचारू रूप से संचालन हो। प्रार्थना करें कि मालगाव गाँव में बाइबिल अध्ययन समूह हमेशा चलती रहे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर पर्याप्त वर्षा की प्रार्थना करें।

संत थॉमस स्कूल– झावड़ा : हरिबाबू एवं पंकजम; डैनियल राजमणि एवं सोफिया; पोन ऑगस्टिन एवं जॉयस शोभना; बिजुलाल एवं स्टेफी; सतीश कुमार एवं क्रिस्टी जयंती; अल्बर्ट संतोष राज जे एवं एंजेल; थांगबियाकमुआन; रूथ मालतो

स्तुति : विद्यालय में शैक्षणिक वर्ष के अंत में धन्यवाद सभा बहुत ही सुंदर तरीके से आयोजित की गई। कक्षा 10 से 12 के विद्यार्थियों को NEET की तैयारी करने का प्रशिक्षण दिया गया। परमेश्वर ने बच्चों के लिए पुस्तकों और यूनिफॉर्म का प्रबंध किया। कुछ कक्षाओं के कमरों का मरम्मत किया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि उच्च शिक्षा के लिए कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्र अपनी ईसाई गवाही को बनाए रखें। प्रार्थना करें कि बच्चों का नामांकन अच्छे कॉलेजों में हो और बच्वें को उज्जवल भविष्य प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि हमारे छात्र अपने समुदाय के कल्याण के लिए काम करें। प्रार्थना करें कि नया शैक्षणिक वर्ष कर्मचारियों और बच्चों के लिए एक आशीर्वाद का कारण हो।

अहवा : विग्नेश्वरन एवं एंजेलिन एम.

स्तुति : 32 लोगों ने मसीह यीशु को अपना प्रभु स्वीकार किया। अंजनगुंड, अवलायुमल, वटपाड़ा, सिंजिनपाड़ा गाँवों में आयोजित सुसमाचार सभाओं में भाग लेने वाले कई लोगों को आशीष मिली। 44 स्थानों पर बाइबल अध्ययन कक्षाएँ आयोजित की गईं। स्थानीय प्रचारक की पारिवारिक सभा सफलतापुर्वक संचालिक की गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारे स्थानीय प्रचारक की पत्नी को पेट की ट्यूमर से चंगाई मिले। हमारे स्थानीय प्रचारक जेराम को गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिले। अगामी युवा सम्मेलन की सफलता क लिए प्रार्थना करें। जो विश्वासी गन्ने के खेतों में काम करने के लिए पलायन कर गए थे, वे अब अपने गाँव लौट आए हैं; प्रार्थना करें कि वे कलीसिया की आराधना सेवाओं में भाग लें और अपने विश्वास में आगे बढ़ें।

24 जुलाई
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री अल्बर्ट सामुएल
श्री सतीश टी.

मेहसाना : शंभू नाथ नायक एवं राजेश्वरी प्रधान

स्तुति : प्रगति नगर में आयोजित रात्रि सुसमाचार सभा में बहुत से लोगों ने भाग लिया और सुसामाचार सुना। पालनपुर की लक्ष्मी बाई ने सुसामचार सभा के लिए अपना द्वार खोली। रवि भाई सुसमाचार सुनने के बाद नियमित रूप से कलीसियाई आराधना में भाग ले रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सीता अपनी जमीन को अच्छे मूल्यों पर बेच सके। उंजा समुदाय के लोग ईसा मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करें। वर्षा बेन के आध्यात्मिक विकास के लिए प्राथना करें और उसके पति को शराब की लत से छुटकारा मिले। अपुदेदा के लोगों के लिए प्रार्थना करे कि वे आत्मिक विश्वास में जड़ पकड़ें। उषाबेन को रीढ़ की हड्डी की बीमारी से चंगाई मिले। रवि का उद्धार के लिए प्रार्थना करें और वह सार्वजनिक रूप से आस्था स्वीकार करे।

एल.टी.आई. फोकड़ी : रूबेन रवि एवं विजयारानी

स्तुति : 4 दिवसीय प्रशिक्षण चर्च एल्डर्स शिविर में 16 लोगों ने भाग लिया। हमारे ट्यूबवेल में पर्याप्त पानी मौजूद है। इस संस्थान में 30 नए छात्रों ने अपना नाम दर्ज कराया है।

प्रार्थना : इस क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा प्रदान करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें। चिलचिलाती गर्मी के महीनों के दौरान परमेश्वर छात्रावास के छात्रों को स्वास्थ्य प्रदान करे। प्रार्थना करें कि स्थानीय प्रचारकों के लिए प्रशिक्षण पुस्तिकाओं की छपाई जल्द से जल्द पूरी हो। इस संस्थान में आयोजित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से चलाए जाएँ। प्रभु से प्रार्थना करें कि वे इन प्रशिक्षुओं का मिशन क्षेत्रों में सामर्थ्य के साथ उपयोग करें।

महाराष्ट्र

अक्कलकुवा : जगमोहन सिंह एवं स्वाति शर्मा

स्तुति : 5 गाँवों में आयोजित अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में 178 बच्चों ने भाग लिया। 3 गाँवों में आराधना समूह नियमित तौर से आयोजित किए जा रहे हैं और विश्वासियों को आत्माओं के लिए बोझ प्रदान किया गया है। दो स्थानों पर महिला सभा आयोजित की गई।

प्रार्थना : अपने विश्वास से पीछे हटे शंकर और सागन के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में वापस आएँ और हमारे प्रभु के साथ अपने रिश्ते को मजबूत कर सकें। हमारे स्थानीय प्रचारक के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें। रविता देवी की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो यीशु मसीह पर अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए प्रेरित हैं ताकि वे अपने विश्वास में मजबूत हो सकें।

25 जुलाई
गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मरागाथामनी रुबेन
श्री मणिमारन डी.
श्री आनंदन एम.

मशावाड़ : भरणीधरन एस. एवं सेल्वारानी वी.

स्तुति : 8 स्थानों पर आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला कार्यक्रमों में 300 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। सभी गाँवों में एक दिवसीय उपवास की प्रार्थना आयोजित की गई। कलीसिया के प्राचीनों और विश्वासियों के लिए आत्माओं को जीतने का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। लगभग 600 लोगों ने 4 अलग–अलग क्षेत्रों में ज़ीसस फिल्म की स्क्रीनिंग देखी।

प्रार्थना : रानीपुर, कोड़बांगी, नवकाव, कंसाई, बिबरी, अपगाव और धरावत गाँवों में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है, प्रार्थना करें क बिना किसी परेशानी के कार्यक्रम सफल हो सके और फलदायी हो। सभी चर्चों में युवा सम्मेलन संचालन की योजना बनाई गई है, कृपया भागिदारों की आत्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करें। लगातार पेट दर्द से पीड़ित रविथ की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

बोराडी : ओमप्रकाश गुप्ता एवं टुम्पा चौधरी

स्तुति : वराजार्डी और प्रसिप्पाड़ा क्षेत्रों में लगभग 600 लोगों ने सुसमाचार सुना। 23 गाँवों में आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला में 518 बच्चों ने भाग लिय और आशीषित समय बिताया। कोडिडा, उमरदा और न्यू बोराडी क्षेत्रों के स्थानीय प्रचारकों और चर्च के बुजुर्गों के लिए एक दिन की उपवास प्रार्थना सफलतापुर्वक आयोजित की गई।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर अरविंद और जीमा को मानसिक अवसाद से छुटकारा प्रदान करें। नागतियानी गाँव की बबिता को स्तन कैंसर से चंगाई मिले। सलादी गाँव की सुविता को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि पराजार्डी और परसीपाड़ा गाँवों में नियोजित नाटक कार्यक्रमों के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार सफलतापूर्वक हो सके।

जंगली जानवरों के प्रभु!

महाराष्ट्र के डांग जिले का सिंगिनागावूड़ा गाँव नदी के किनारे बसा हुआ है। सीताराम गर्मियों के महीनों में नदी के किनारे तरबूज की खेती करते थे। वह अपने तरबूजों के चोरी होने से बचाने के लिए नदी के किनारे ही रहते थे। एक रात जब वह अपने तरबूज के खेत के बीच में एक छोटी सी झोपड़ी में आराम कर रहे थे, तो उनकी नींद एक दहाड़ की आवाज से खुली और वे चौंक गए। एक तेंदुआ जो उनके तरबूजों के बीच शिकार का पीछा कर रहा था, उसने अपने शिकार को पकड़ लिया और उस पर हमला कर दिया। डर से कांपते हुए सीताराम ने निराशा में परमेश्वर को पुकारा। कुछ ही देर बाद, तेंदुआ और उसका शिकार जो तरबूज की फसल को नष्ट कर रहे थे, जंगल में गायब हो गए। अगले सप्ताह सीताराम ने कलीसिया की आराधना में परमेश्वर की सुरक्षा के बारे में अपनी गवाही साझा की।

26 जुलाई
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री किंग्सली जी.
श्रीमती सूही मलर वीनू

धड़गाँव/कुंतामुड़ी : बालाजी नेट्टालम एवं जगदेश्वरी

स्तुति : 21 लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और विश्वासियों की मण्डली में शामिल हो गए। भील क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय आध्यात्मिक मेले में लगभग 450 लोगों ने भाग लिया और आशीषित हुए। धातका मिशन क्षेत्र में आयोजित युवा रिट्रीट कार्यक्रम में 45 युवाओं ने भाग लिया और प्रभु की गवाही के लिए अपना जीवन समर्पित किया। मोक्याबाई को लकवा से मुक्ति चंगाई मिली।

प्रार्थना : नवगाव, सूर्यपुर और पिप्पलपारी गांवों में सुसमाचार के लिए खुले द्वार हों। कटरी और उमरानी गांवों में पूजा समूह शुरू करने के लिए किए गए प्रयास सफल हों। उमरानी गांव के विश्वासियों को पानी देने से रोकने वाले लोगों को पश्चाताप करना चाहिए और मानवीय होना चाहिए। भगवान कृष्ण नामक ऑटो चालक की सहायता करें, जो दुर्घटना के कारण अपनी आय का साधन खो चुका है।

कपराड़ा : बिदुश कुमार एवं प्रीतिबाला प्रधान

स्तुति : 36 लोगों ने अपने पापों से पश्चाताप किया और मसीह में नया जीवन पाया। 3 गाँवों में लगभग 1200 लोगों ने यीशु नाटक कार्यक्रम देखा। विक्रात गाँव में परमेश्वर की महिमा के लिए कलीसिया भवन का संस्कार किया गया। युवा सम्मेलन के माध्यम से 360 युवाओं को आशीष मिली। परिवार की प्रार्थनाओं के कारण, परमेश्वर ने रात में बेहोश हट्टी गाँव की गीता की रक्षा और चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि कलीसिया के कार्यकर्ताओं और प्राचीनों के लिए आत्मा विजेताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा सके। सगुड़ा गाँव का 9 वर्षीय लड़का को गुर्दे की बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा उन लोगों के हृदयों में काम करे जो कई गाँवों में यीशु के नाटक को देखते हैं और सच्चाई की खोज करते हैं। प्रार्थना करें कि कर्मेल और डिटोमल गाँव में चर्च निर्माण कार्य का आरम्भ हो सके।

मोलगी/नर्मदा : विद्युत कुमार सिंह

स्तुति : बरकुंड गाँव की रोमगा को गर्भाशय की ट्यूमर से चंगाई मिली। मथवत क्षेत्र में आयोजित मेले में 500 विश्वासियों ने भाग लिया। लगभग 580 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और 2 नए नियम वितरित किए गए।

प्रार्थना : राकेश के लिए प्रार्थना करें जिसने सरकारी नौकरी की प्रारंभिक परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है, ताकि उसे एक अच्छी नौकरी मिल सके। प्रार्थना करें कि बसाबाबा के दो बेटों को मसीह में उद्धार का अनुभव हो। प्रार्थना करें कि मोलगी कलीसिया के युवाओं को बुरी आदतों से छुटकारा मिले और वे गवाही का जीवन जी सकें। प्रभु से प्रार्थना करें कि वहे सेवकाई और इस क्षेत्र में अपने राज्य के विस्तार के लिए और अधिक कार्यकर्ताओं को खड़ा करे।

27 जुलाई शनिवार

तलज़्री : गेड्डाम श्रीनिवास राव एवं मेडंकी राज्यलक्ष्मी

स्तुति : गुरसव में खोजियों की शिविर का सफल आयोजन किया गया और ओसारविरव में एक दिवसीय उपवास प्रार्थना संचालित की गई। सरकारी निधियों की सहायता से, ग्राम पंचायत ने जेरी गाँव में चर्च के लिए शौचालय की सुविधा बनाई। 92 वर्षीय सोल मिशाल दादी ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया और कलीसिया में गवाही दी।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर सारणी और कंजट कलीसिया को मजबूत करे जो आत्मिक कमजोरी से गुजर रही हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर साधु वान्या और संदीप परिवार को संतान का आशीर्वाद दें। कमला बेन को कैंसर से चंगाई मिले। आगामी महिला सम्मेलन और कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके।

पेंट :

एलेक्स प्रभु एवं प्रिया हेथज़ी

स्तुति : 32 लोगों ने हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चखा और मसीह के शिष्य बने। हाटपाड़ा गाँव में 2 दिवसीय पूरी रात की उपवास प्रार्थना आयोजित की गई, जिसमें प्रार्थना करते हुए कई लोगों को आत्मिक प्रेरणा मिली। कलीसिया में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलीसिया के 40 प्राचीनों ने भाग लिया। नए गाँव वांगनपाड़ा, पैमल और पाखोल सुसमाचार का प्रचार किया गया। 14 क्षेत्रों में आयोजित अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला में बहुत अधिक संख्या में बच्चों ने भाग लिया और सच्चे जीवित परमेश्वर के बारे में सीखा।

प्रार्थना : नीरकुड़ा गाँव की 5 वर्षीय संगेथिन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो अपने अंगों को हिलाने में असमर्थ है। कोटमानी गाँव के कक्कड़ इबाई के लिए प्रार्थना करें जो कुष्ठ रोग के कारण सामाजिक बहिष्कार का सामनाकर रहा है और अवसाद से ग्रस्त है। मिरकुडा गाँव की ललिताबेन को पक्षाघात से और वंदन बेन को त्वचा संक्रमण चंगाई मिले जिसके कारण उसका चेहरा सफेद हो गया है।

मैंने इसे पाया है!

हमारे मिशनरी परिवार ने कई दिनों तक पंजाब के संगरूर क्षेत्र के पुनावल गाँव में सुसमाचार की घोषणा के लिए द्वार खोलने के लिए लगातार प्रार्थना कर रहे थे। एक दिन एक स्थानीय प्रचारक के साथ, वे वितरण के लिए सुसमाचार साहित्य और नया नियम लेकर गाँव की ओर जा रहे थे। उन्होंने कुछ ग्रामीणों को एक बड़े पैमाने पर फैले बरगद के पेड़ की छाया में आराम करते हुए पाया। प्रार्थना के साथ, मिशनरी ने उन लोगों को सुसमाचार सुनाना शुरू किया। जैसे–जैसे वह पाप और उद्धार के बारे में बोलता रहा, समूह में से कुछ लोग उठ खड़े हुए और कहा कि किसी ने उन्हें ऐसे ईश्वर के बारे में कभी नहीं बताया। एक व्यक्ति ने उठकर विजयी भाव से घोषणा की "मुझे सच्चा ईश्वर मिल गया है।" भीड़ में सभी ने हमारे प्रभु के प्रेम का स्पर्श महसूस किया और इसे स्वीकार किया। प्रभु ने वास्तव में पुनावल गाँव में सेवकाई के लिए एक अच्छा खुला द्वार प्रदान किया है। प्रभु की महिमा हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री जैकब प्रदीप कुमार
श्री पौल अल्बर्ट, श्री अब्राहम डी.
श्रीमती गोमा गोविंदराज

कर्नाटक

हुबली :

सुनील कुमार एवं टेकम संगीता

स्तुति : 9 लोगों ने यीशु मसीह पर अपना विश्वास का अंगीकार किया। प्रार्थनाओं के उत्तर में प्रतिभा को लीवर में सूजन से चंगाई मिली। प्रार्थना के द्वारा मंजुला को अनिद्रा और मानसिक अवसाद से चंगाई मिली। लंबे समय से लंबित थरप्पा का भूमि विवाद समाप्त हुआ। जब रोजी ने 100 दिनों तक प्रार्थना की, तो प्रभु ने शिक्षा के लिए वित्तीय आवश्यकता पूरी की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि गजेंद्रा क्षेत्र के सुनामा के नवजात शिशु को रक्त संक्रमण से चंगाई मिले। लक्ष्मी रेशमी को क्षय रोग से तथा हड़ियाल गाँव की लक्ष्मी को हृदय रोग से मुक्ति मिले। अशोक स्वान और विजयलक्ष्मी के लिए प्रार्थना करें जो मसीही धर्म अपनाने के कारण बंजारा समुदाय की ओर से उत्पीड़न झेल रहे हैं, वे विश्वास में मजबूत बने रहें। बीमेश को शराब की लत से छुटकारा मिले।

दक्षिणी अंचल :

एमपी थिम्मेश एवं कविता

स्तुति : उन 11 व्यक्तियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति कार्यक्रम में मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। 46 नए नियम और 45 पूर्ण बाइबल वितरित किए गए। लवण्या ने अपनी 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए ओर लीलिसिया में गवाही दी। गुंगट्टा कलीसिया में 8 दिवसीय आवकाशकालीन बाइबल पाठशाला प्रभावी ढंग से आयोजित किया गया। 3 साल से बिस्तर पर अंबाला गाँव का रमेश अब लकवा से ठीक हो रहा है। गौरीबिदानूर गाँव में इस्लामी विश्वासी धनसिंह डौंग को अनिद्रा से पीड़ित करने वाली बुरी आत्मा से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : श्रीनिवासपुरम के अंजप्पार की सुरक्षित वापसी के लिए जो पिछले 4 महीनों से लापता है। सरना, मोराली, नंदिनी और रोजम्मा के दृढ़ विश्वास के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं। प्रभु चौतन्य, अनिता और कलथम्मा को संतान की आशीष दें। गौरीविदानूर गाँ की देवी के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो अपने पति से लगातार घरेलू दुर्व्यवहार का सामना करती है।

29 जुलाई सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुशीला मारक शिवकुमार

निदंगुड़ी :

सामुएल बेबरता

स्तुति : मस्थरा और थांडा गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया है। 3 साल से अधिक समय से क्षय रोग से पीड़ित रेशमा को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली जो बीमारी के कारण आत्महत्या के बारे में सोच रही थी, परमेश्वर ने अपनी अनुग्रह से उन्हें शांति और चंगाई प्रदान किया। प्रार्थना करें कि परमेश्वर राजी और नीलाबाई को उनकी बीमारियों से चंगाई दे।

प्रार्थना : कलीसिया में नए आ रहे राज और गंगम्मा के परिवारों को दुष्ट आत्मा के बंधन से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि इस्लामपुर और मस्थरा गाँवों में रहने वाले 1200 लोग प्रभु को जानें और मसीह में उद्धारक विश्वास की ओर अग्रसर हों। प्रार्थना करें कि 12 वर्षों से लकवाग्रस्त रवि राजपूत को परमेश्वर की ओर से चंगाई मिले। रविदराप्पा के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जिसने उप्पलथिंडा गाँव के हमारे विश्वासियों बसावाराज लमनी और सुनील लमनी को हत्या की धमकी दी है। हमारे विश्वासिनी विजयलक्ष्मी और उनके पति अशोक के लिए प्रार्थना करे जो लगातार अपने मसीही विश्वास के कारण उत्पीड़न का सामना करते हैं ताकि पवित्र आत्मा द्वारा उन्हें विश्वास में मजबूत हों।

आंध्र प्रदेश

कुप्पम :

वेंकटेशन क्रेसेंस एवं शशिकला

स्तुति : कोंडानापल्ली गाँव के शांतिपुरम चर्च में 10 लोगों ने भाग लिया। मंजूनाथ के गंभीर दुर्घटना से धीरे–धीरे ठीक होने और अब चर्च सेवाओं के लिए चलने में सक्षम होने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। विश्वासियों के बच्चों के लिए जो अपनी उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए छात्रावास में प्रवेश पाने में सफल हुए। कुंदनपल्ली कलीसिया का प्राचीन अनीता सुभु अपने नए बने घर में रहने लगी हैं।

प्रार्थना : हमारे विश्वासी रंगीला के दो अनाथ बच्चों के भविष्य के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो गई। महालक्ष्मी और विनोदाम्मा को दुष्टात्मा के बंधन से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन बंदरों को नियंत्रित करे जो लगातार गुडुपल्ली और गुडुवनपल्ली में चर्चों की छत को नुकसान पहुंचा रहे हैं; इसकी मरम्मत की जरूरत है। प्रार्थना करें कि परमेश्वर अपने राज्य के विस्तार के लिए कई और स्थानीय प्रचारकों को खड़ा करें।

30 जुलाई
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती चारुबेन क्रिश्चियन
श्रीमती भारती मूर्ति
श्री विक्टर पौलराज वी.

चित्तूर क्षेत्र :
वेदियाप्पन एल एवं लक्ष्मी एम.

स्तुति : स्थानीय प्रचारकों और चर्च के बुजुर्गों को चर्च प्रशासन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। नंबिसन और रामसंद्रुलु को एक बड़ी दुर्घटना में परमेश्वर ने चमत्कारिक सुरक्षा प्रदान किया। कुप्पम घाटी के हमारे विश्वासियों के बच्चों के लिए जिन्होंने अपनी स्कूल और कॉलेज की परीक्षाएँ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं और उच्च शिक्षा में प्राप्त कर रहे हैं। पालमनेर क्षेत्र में 6 लोगों ने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। उत्कृष्ट प्रार्थनाओं के कारण, रामप्पन अपने मंग्रोव की भूमि को पुनः प्राप्त करने में सक्षम हुआ जिसे उसने पहले खो दिया था।

प्रार्थना : कोलामसनाप्पली क्षेत्र में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पिरिडीपल्ली क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के चारों ओर तार की बाड़ लगाया जा सके। प्रार्थना करें कि सेल्वार्पाली गाँव में चर्च बनाने के लिए दान की गई भूमि का पंजीकरण सफलतापुर्वक हो सके। विक्टर के लिए प्रार्थना करें जिसने साधुम क्षेत्र में एक दुर्घटना में अपना पैर खो दिया, वह अपने जीवन में विश्वास और स्थिरता प्राप्त कर सके।

अनंतपुर क्षेत्र :
दुरईसामी फ्रांसिस एवं जयंती पी.

स्तुति : 5 लोगों ने मसीह यीशु में अपने विश्वास की सार्वजनिक घोषणा की और कलीसिया में शामिल हुए। सिल्लामनुर गाँव की राजेश्वरी के लिए, जिसे अचानक प्रसव पीड़ा हुई। पास के अस्पताल में सुविधाओं की कमी और दूसरे अस्पतालों में जाने का समय न होने के कारण, विश्वासियों ने इकट्ठा होकर प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसे घर ही में सुरक्षित प्रसव होने में सहायता की। कोडिकोंडा गाँव में फिर से आराधना सेवा आरम्भ कर दी गई है जहाँ पहले धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा मिशनरियों को आराधना सेवाएँ आयोजित करने से रोक दिया गया था। बेउला को जहरीले साँप के काटने से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि टोटम, साईनगर और नल्लमदा गाँवों में चर्च के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर इस क्षेत्र वर्षा की आज्ञा दे ताकि वर्षा की कमी के कारण सूखे की स्थिति से ग्रामीणों की पीड़ा को कम किया जा सके। प्रार्थना करें कि प्राचीनों की प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलीसिया के अधिक से अधिक प्राचीन भाग ले सकें।

31
जुलाई
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री डैनियल डेविड आर.

तमिलनाडु

एन्चेटी :

डेविड निकोलसन एवं आइवी

स्तुति : तीन दिवसीय अवकाशकालीन बाइबल पाठशाला कार्यक्रम में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। चार परिवारों ने यीशु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। परमेश्वर ने एंटोनिमा की बेटी कीर्तना को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। हमारी प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने एंचेट्टी क्षेत्र को अच्छी बारिश का आशीर्वाद दिया। मिशनरियों सफल यात्रा और स्वास्थ्य के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारी विश्वासिनी शर्मिला को हृदय में पाए गए दो छेद से चंगाई चंगाई प्रदान करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सरोजा को थायरॉयड की समस्या से, मोहनम्मा को कान की समस्या से और एस्तेर को तंत्रिका संबंधी समस्या से छुटकारा प्रदान करे। राजा राम जो मधुमेह के कारण पैर में घाव से जूझ रहा है, धवामणि जो अपने अंगों को हिलाने में असमर्थ है, बाकिया को मानसिक समस्या से और शिवरामन को हाथ के फ्रैक्चर से, चंगाई मिले। जगंता, शोभा, शिवकुमार, शनमुगम, राजाराम, शक्तिवेल, परमशिवम, सेल्वम, अंजम्मा और अरुल ज्योति के परिवारों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

सभी पीढ़ियों के लिए एक निमंत्रण!

प्रदेश के कलवा क्षेत्र के राजवीर गाँव की 60 वर्षीय पोन्नू आंटी के कानों के पीछे हल्का सा दर्द गर्दन के क्षेत्र की ओर बढ़ गया जिससे गर्दन में दर्द होने लगा और धीरे–धीरे यह दर्द सिर में तीव्र दर्द में परिवर्तित हो गया। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा से चंगाई पाने की कोशिश की और किसी तरह चंगाईपाने के लिए तांत्रिकों को भी बुलायी। हालाँकि, पोन्नू की तबीयत और खराब होती गई। उनके 17 वर्षीय पोते मुकेश ने अपनी दादी को ठीक होने की उम्मीद के साथ कई क्षेत्रों में ले जाया। इस बीच मुकेश भी शैतानी हमलों का शिकार हो रहा था। आखिरकार, वे खलवा की चर्च में पहुँचे। मिशनरियों और विश्वासियों ने उनके लिए बहुत प्रार्थना की। दो सप्ताह के समय में, प्रभु ने उन दोनों को पूर्ण रूप से चंगाई प्रदान किया। इस चमत्कार के कारण, पोन्नू का पूरा परिवार प्रभु यीशु पर विश्वास में आ गया है। परमेश्वर की महिमा हो।

मिशनरी एस. जॉन अरुलराज का जन्म 7 मार्च 1981 को श्रीमान सेल्वराज और श्रीमती. श्री के सबसे छोटे पुत्र के रूप में हुआ तिरुनेलवेली प्रांत में हुआ था। उनके एक भाई और दो बहनें हैं। माता–पिता के काम और बच्चों की शिक्षा के कारण, परिवार थूथुकुडी में रहते थे। श्री सेल्वाराज और श्रीमती सेल्वामणि ने अपने बच्चों को मजबूत आध्यात्मिक मूल्यों के साथ पाला। जॉन अरुलराज ने तूतीकोरिन के कामराज कॉलेज में बी.कॉम की पढ़ाई के तीसरे वर्ष में अपने चर्च में एक युवा सभा के दौरान प्रभु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इसके अलावा, उन्हें यिर्मयाह 1:5 के आधार पर पूर्णकालिक सेवकाई के लिए बुलाहट प्राप्त किया। वोडाफोन कंपनी में काम करते हुए, वे छुट्टियों के दौरान सेवकाई की गतिविधियों में लगे रहे।

बहन. धना पुष्पम का जन्म 7 फरवरी 1982 को के श्री. वेदमणिक्कम और श्रीमती. तमिलारसी के परिवार में हुआ था जो तूत्तुकुड़ी प्रांत रहते थे। उसकी एक बहन है। धना पुष्पम ने 10वीं कक्षा में पढ़ते समय, सयरपुरम में EU द्वारा आयोजित एक आत्मिक सभा के दौरान, प्रभु को अपना निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार की। उन्होंने फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड (FMPB) के माध्यम से नाजरेथ में एक युवा बैठक में पूर्णकालिक सेवकाई के लिए स्वयं को समर्पित की। 2001 से 2009 तक, उन्होंने तूतीकोरिन में FMPB के मोबिलाइजेशन कार्यालय में एक स्वयंसेवक के रूप में काम किया। 7 जनवरी, 2009 को उन्होंने श्री एस. जॉन अरुलराज से विवाह किया। एक परिवार के रूप में, वे 21 जून, 2013 को पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल में शामिल हुए। एक साल के प्रशिक्षण के बाद, उन्होंने हिमाचल प्रदेश और पंजाब में फील्ड मिशनरी के रूप में सेवा की। 2019 से, वे महाराष्ट्र के नवी मुंबई क्षेत्र में मोबिलाइजेशन मंत्रालय में शामिल हैं।

परमेश्वर ने उन्हें एक बेटा और एक बेटी दी है। उनका बेटा, अज़ारिय्याह सामुएल राज (जन्म 12 अक्टूबर, 2009) दसवीं कक्षा में है, और उनकी बेटी, महिमा (जन्म 19 फरवरी, 2015) संतोषा विद्यालय, डोहनावूर में कक्षा पाँच में अध्ययन कर ही है। आईए हम इस मिशनरी परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में याद रखें।

श्री एस. जॉन अरुलराज एवं धना पुष्पम परिवार

वह अब भी मुझ पर काम कर रहा है

वह अब भी मुझ पर काम कर रहा है
वह बनाने के लिए जो होना चाहिए मुझे
उसे सिर्फ एक सप्ताह लगा बनाने में चाँद और सितारे
सूर्य और पृथ्वी और बृहस्पति और मंगल हमारे
वह कितना होगा प्रेमी और धैर्यवान
'क्योंकि वह अब भी मुझ पर काम कर रहा है।

मेरे दिल पर सचमुच होनी चाहिए एक निशानी
अभी उसका मूल्यांकन न कर, अभी एक हिस्सा है अधूरा
पर उसकी योजना के अनुसार हूँगा मैं पूरा
स्वामी के प्रेमी हाथों से निर्मित - वह अब भी

उसके वचन के दर्पण में
प्रतिबिंब जो मैं देखता हूँ
मुझे आश्चर्य होता है उसने छोड़ा नहीं क्यों मुझे कभी
लेकिन वह मुझसे करता प्रेम है जैसे मैं हूँ
मेरी मदद करता है जब मैं करता प्रार्थना हूँ
याद रखो वह कुम्हार है, मैं मिट्टी हूँ - वह अब भी

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. John Berlin***